सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 319 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 02 सितंबर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

चीन-पाकिस्तान बॉर्डर पर तैनात होगी भारत की आंख

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली ए.। भारत के अंतरिक्ष मिशन के लिए एक और अहम पड़ाव आने वाला है। इसरो 4 सितंबर को GSLV-F17 के जरिए EOS-05 सैटेलाइट लॉन्च करने जा रहा है। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से होने वाली इस लॉन्चिंग की खास बात ये है कि EOS-05 जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट से इमेजिंग करने वाला भारत का पहला सैटेलाइट होगा। यानी अंतरिक्ष से पृथ्वी की तस्वीरें लेने और निगरानी की भारत की क्षमता को एक नई मजबूती मिलने जा रही है।

इसरो का GSLV-F17 मिशन 4 सितंबर को होगा लॉन्च

मिशन की तैयारियां अब अंतिम दौर में पहुंच चुकी हैं। GSLV-F17 को 28 अगस्त को व्हीकल असेंबली बिल्डिंग से अम्बिलिकल टावर तक पहुंचा दिया गया था। अब लॉन्च से पहले की अंतिम तैयारियां जारी हैं। रॉकेट को 4 सितंबर की सुबह 2 बजकर 55 मिनट पर श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के सेकेंड लॉन्च पैड से लॉन्च किया जाएगा। GSLV-F17 भारत के जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल की 19वीं उड़ान होगी। इस मिशन के जरिए EOS-05 को सब-जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में स्थापित किया जाएगा।

इसरो द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, जीएसएलवी-एफ17 ईओएस-05 मिशन 4 सितंबर को सुबह 02:55 बजे सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, शार, श्रीहरिकोटा से लॉन्च के लिए निर्धारित है। इसके आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करके एसडीएससी एसएचएआर में लॉन्च व्यू गैलरी से मिशन को देख सकते हैं।'

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यह सैटेलाइट अंतरिक्ष में रहकर करीब 36 हजार किलोमीटर की ऊंचाई से देश के किसी भी हिस्से पर नजर रख सकता है। यह सैटेलाइट एक ही बार में बड़े हिस्से की तस्वीर ले सकता है। इसलिए श्वहृस्-05 की भूमिका देश की रक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस सैटेलाइट के जरिए, चीन और पाकिस्तान के बॉर्डर पर भी नजर रखी जा सकती है। साथ ही यह सैलेटाइट प्राकृतिक आपदा, जैसे भूकंप, बाढ़, जंगलों की आग, चक्रवात में भी अहम भूमिका निभाएगा।

जानिए क्या है GSLV-F 17 व EOS-05

जीएसएलवी-एफ17 भारत के जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (जीएसएलवी) की 19वीं उड़ान है। जीएसएलवी-एफ17 की पेलोड फेयरिंग 4 मीटर डायमीटर वाली ओगिव (कम्पोजिट) वर्जन है। यह रॉकेट ईओएस-05 सैटेलाइट को सब-जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में स्थापित करेगा। लॉन्च सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, शार के दूसरे लॉन्च पैड (एसएलपी) से किया जाएगा। ईओएस-05 एक अत्याधुनिक अर्थ ऑब्जर्वेशन अंतरिक्ष यान है। यह जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट से भारत का पहला इमेजिंग सैटेलाइट है। इसे जीआईएसएटी-1ए के नाम से भी जाना जाता है। इस सैटेलाइट का वजन 2,367 किलोग्राम है। इसका मुख्य उद्देश्य भारतीय उपमहाद्वीप की लगभग रियल-टाइम, हाई-रिजॉल्यूशन इमेजिंग उपलब्ध कराना है, जो आपदा निगरानी, कृषि और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए काफी महत्वपूर्ण होगी।

लॉन्चिंग को कैसे देख सकते हैं?

अगर आप इस ऐतिहासिक लॉन्च को अपनी आंखों से देखना चाहते हैं, तो आप सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) एसएचएआर में लॉन्च व्यू गैलरी में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करके देख सकते हैं। इसके अलावा इसरो के यूट्यूब चैनल पर 4 सितंबर को सुबह 02:25 बजे से लाइव कवरेज शुरू हो जाएगी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा बनाई गई एक विशेष दर्शक दीर्घा है, जहां से आम जनता रॉकेट लॉन्चिंग को अपनी आंखों से लाइव देख सकती है। यह गैलरी आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में बनाई गई है।

खास-खबर

अनुकंपा नियुक्ति वाला पटवारी विभागीय परीक्षा में 4 बार फेल, सेवा समाप्त

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में अनुकंपा नियुक्ति पाने वाले पटवारी की सेवा समाप्त कर दी गई है। पटवारी विभागीय परीक्षा में लगातार चार बार फेल होने पर जिला कलेक्टर ने यह कार्रवाई की हैं। कलेक्टर कार्यालय कोरबा के भू-अभिलेख शाखा द्वारा पटवारी विभागीय परीक्षा में निर्धारित अवसरों में सफल नहीं होने पर रविन्द्र कुमार बंजारे पटवारी, हल्का नंबर 1 सपलवा तहसील पाली की पटवारी पद पर नियुक्ति तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गई है। कार्यालयीन आदेश के अनुसार रविन्द्र कुमार बंजारे को वर्ष 2015 में पटवारी प्रशिक्षु के पद पर अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की गई थी। इसके बाद उन्हें पटवारी प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए पटवारी प्रशिक्षण केंद्र, बिलासपुर भेजा गया था। प्रशिक्षण उपरांत आयोजित पटवारी विभागीय परीक्षा में वे चार अवसरों में असफल रहे। छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा 28 अगस्त 2015 को जारी निर्देशों के अनुसार विभागीय परीक्षा में चार अवसरों में असफल होने पर नियुक्ति समाप्त किए जाने का प्रावधान है। असफल प्रशिक्षणार्थियों को परीक्षा में शामिल होने के लिए पांचवां अवसर दिए जाने का प्रावधान नहीं है।

शिक्षक दिवस पर 68 शिक्षक होंगे सम्मानित, 4 को स्मृति पुरस्कार

रायपुर। 5 सितंबर टीचर्स डे पर छत्तीसगढ़ के 68 शिक्षकों को राज्य शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। शिक्षा के क्षेत्र में नए प्रयोग के लिए इनमें से 4 शिक्षकों को स्मृति पुरस्कार भी दिया जाएगा। राज्य शिक्षक सम्मान और स्मृति पुरस्कार समारोह शनिवार को रायपुर के लोकभवन स्थित छत्तीसगढ़ मंडपम में सुबह 11 बजे होगा। समारोह में राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और स्कूल शिक्षा मंत्री की मौजूदगी में चयनित शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। सम्मान पाने वाले शिक्षकों में प्रिंसिपल, हेड मास्टर, लेक्चरर और सहायक शिक्षक समेत शिक्षा विभाग की अलग-अलग श्रेणियों के शिक्षक शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ व एमपी के बीच चार दिवसीय मैच शुरू

रायपुर। कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसियेशन द्वारा डॉ. के थिम्मापीयाह मेमोरीयल आमंत्रण क्रिकेट टुर्नामेंट 2026- छत्तीसगढ़ की सीनीयर टीम का पहला मैच मध्य प्रदेश के विरुद्ध 1 सितंबर से बेंगलुरु में शुरू हुआ। मध्य प्रदेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। पहले दिन की समाप्ति तक मध्य प्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 85 ओवरों में 6 विकेट खोकर 265 रन बना लिये हैं। मध्य प्रदेश की ओर से शुभम शर्मा ने नाबाद 98 तथा यश दुबें ने 69 रनों का योगदान दिया। उनके अतिरिक्त कुमार कार्तिकेय ने नाबाद 22 रन बनाये। छत्तीसगढ़ की ओर से मयंक यादव तथा जयंत यादव ने 2-2 विकेट प्राप्त किये। उनके अतिरिक्त संदीप वारीयर तथा वासुदेव बरेथ ने 1-1 विकेट प्राप्त किये।

दुर्ग में अफीम की खेती, पूर्व भाजपा नेता को जमानत

■ **एफआईआर रद्द करने की याचिका खारिज**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में करीब 5 एकड़ खेत में कथित अवैध अफीम की खेती के मामले में पूर्व भाजपा नेता विनायक ताम्रकार को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। मंगलवार को चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने उनकी जमानत मंजूर कर ली।

कोर्ट ने माना कि कार्रवाई के समय विनायक ताम्रकार खेत में मौजूद नहीं था और उसके कब्जे से कोई मादक पदार्थ भी बरामद नहीं हुआ था। पूर्व भाजपा नेता को कई शर्तों पर जमानत दी गई है। इनमें मुख्य रूप से दुर्ग नहीं छोड़ने की शर्त शामिल है। जांच में सहयोग करने और गवाहों को प्रभावित नहीं करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

कोर्ट ने यह भी देखा कि मामले की जांच पूरी हो चुकी है और पुलिस 29 जुलाई को अदालत में आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है। इसी मामले में सह आरोपी सुखराम विश्नोई और मदरूपा राम विश्नोई को 31 जुलाई को जमानत मिल चुकी है। इन परिस्थितियों को देखते हुए हाईकोर्ट ने विनायक ताम्रकार को भी जमानत देने का फैसला किया।

दूसरी याचिका में राहत नहीं

हालांकि, दूसरी याचिका में उन्हें राहत नहीं मिली। उन्होंने अफीम की खेती से जुड़े मामले में दर्ज स्नद्बक्रऔर दाखिल आरोप पत्र को रद्द करने की मांग की थी। कोर्ट ने इसे खारिज करते हुए कहा कि इस स्तर पर सबूतों की जांच कर मामले का फैसला नहीं किया जा सकता। ऐसा करना मामले की सुनवाई से पहले ही मामले की पूरी जांच करने जैसा होगा।

ब्लड सैंपल के साथ रील, 3 महिला टेक्नीशियन बर्खास्त

■ **दुर्ग जिला अस्पताल की लैब में बनाया था वीडियो**

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिला अस्पताल की अटल आरोग्य लैब में ब्लड सैंपल लेकर रील बनाने वाली 3 महिला टेक्नीशियन को बर्खास्त कर दिया गया है। यह कार्रवाई सिविल सर्जन डॉ. आशीषन मिंज की ओर से नोटिस जारी कर जवाब मांगने के बाद की गई है।

दरअसल, 3 महिला टेक्नीशियन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जिसमें वे लैब के अंदर अलग-अलग तरह से रील बनाती नजर आ रही थीं। एक वीडियो में टेस्ट ट्यूब हाथ में लेकर कैटवॉक करती दिखीं। जबकि दूसरे वीडियो में लैब की चेयर पर बैठकर मस्ती करती नजर आईं।

वीडियो वायरल होने के बाद सिविल सर्जन डॉ. आशीषन मिंज ने लैब प्रभारी डॉ. जेपी मेश्राम को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। पूछा गया कि ड्यूटी के समय लैब में वीडियो कैसे बनाया गया और उस दौरान कर्मचारियों की क्या जिम्मेदारी थी। जवाब और मामले की जांच के बाद HLL लाइफकेयर लिमिटेड ने तीनों महिला कर्मियों को सेवा से हटा दिया।

छत्तीसगढ़ में पीढ़ियों से संरक्षित 'चिरपोटी टमाटर' को मिली कानूनी पहचान, हुआ रजिस्टर्ड

PPV&FRA के अंतर्गत पंजीयन, संरक्षक किसान बंसी लाल सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। जिले के नगरी विकासखंड के ग्राम गुहनानाला के किसान बंसी लाल सोरी द्वारा पीढ़ियों से संरक्षित स्थानीय एवं पारंपरिक 'चिरपोटी टमाटर' किस्म को पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण के अंतर्गत पंजीयन के माध्यम से आधिकारिक पहचान मिली है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए आज कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने बंसी लाल सोरी को इस उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया।

बंसी लाल सोरी के परिवार में 'चिरपोटी टमाटर' का संरक्षण एवं उत्पादन उनके स्वर्गीय पिता मंगलू राम सोरी के समय से किया जा रहा है। स्वर्गीय मंगलू राम सोरी वर्षों तक इस स्थानीय किस्म के बीज को सुरक्षित रखते हुए इसका उत्पादन करते रहे। उनके निधन के बाद बंसी लाल सोरी ने अपने पिता की इस पारंपरिक कृषि विरासत को आगे बढ़ाया और 'चिरपोटी टमाटर' के बीज का संरक्षण एवं उत्पादन निरंतर जारी रखा।

कृषि विज्ञान केंद्र के सहयोग से मिली आधिकारिक पहचान

'चिरपोटी टमाटर' किस्म के दस्तावेजीकरण और पंजीयन की प्रक्रिया में कृषि विज्ञान केंद्र, धमतरी द्वारा तकनीकी सहयोग प्रदान किया गया। केंद्र के माध्यम से किस्म से संबंधित जानकारी एकत्रित करने, दस्तावेजीकरण तथा

आवश्यक तकनीकी प्रक्रिया में सहयोग दिया गया। PPV&FRA प्रभारी श्री प्रेमलाल साहू के माध्यम से कृषक किस्म के पंजीयन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। प्राप्त पंजीयन प्रमाण-पत्र के अनुसार 'चिरपोटी टमाटर' का Registration No. REG/2016/1380 है। इसका आवेदन 07 सितम्बर 2016 को दाखिल किया गया था तथा किस्म का पंजीयन 08 जनवरी 2024 को प्रदान किया गया। अब इस पंजीयन के माध्यम से वर्षों से किसान परिवार द्वारा संरक्षित इस स्थानीय किस्म को औपचारिक पहचान एवं कृषक अधिकारों के संरक्षण का आधार प्राप्त हुआ है।

कृषि विरासत को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि

'चिरपोटी टमाटर' का पंजीयन धमतरी जिले की कृषि विविधता और पारंपरिक बीज संरक्षण की समृद्ध परंपरा को पहचान दिलाने वाली उपलब्धि है। स्थानीय परिस्थितियों में किसानों द्वारा लंबे समय से संरक्षित ऐसी फसल किस्में क्षेत्र की कृषि संस्कृति, पारंपरिक ज्ञान और जैव-विविधता का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

भारत ने नेपाल को भेजी एक और बड़ी मदद, पांचवां भारतीय विमान रवाना, विदेश मंत्री ने दी जानकारी

नई दिल्ली ए.। भारत ने नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ और आपदा से राहत के लिए अपना पांचवां विमान भी राहत सामग्री और विशेष रेस्क्यू टीम के साथ रवाना कर दिया है। इस मदद को लेकर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जानकारी दी है। उन्होंने कहा है कि भारत की ओर से 5.5 टन जरूरी दवाइयां, विशेष बचाव उपकरण और 11 सदस्यों की रेस्क्यू टीम लेकर पांचवां विमान नेपाल रवाना हो गया है।

इससे पहले भारत मानवीय सहायता और आपदा राहत के तहत नेपाल को कुल 4 खेप भेज चुका है, जिसमें लगभग 57.5 टन से अधिक राहत सामग्री, जनरेटर, मेडिकल टीमें, और खोज-बचाव दल शामिल रहे हैं। भारत सरकार एनडीआरएफ के विशेषज्ञों और जरूरी उपकरणों के साथ नेपाल में फंसे लोगों को निकालने और बुनियादी संपर्क बहाल करने में लगातार मदद कर रहा है।

नेपाल में बाढ़ से अब तक 1127 लोगों की मौत

नेपाल पुलिस के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ के चलते अब तक 1127 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि 4000 से अधिक लोग लापता बताए जा रहे हैं। भारत समेत कई अन्य देशों की तरफसे मदद भेजी जा रही है। यह आपदा चीन-नेपाल सीमा के पास एक ग्लेशियर फ्टने के कारण आई थी।

भारत ने नेपाल को अब तक भेजी यह मदद

- 6 फोरेंसिक टीमों को काठमांडू भेजा।
- सिंगल-लेन मॉड्यूलर स्टील ब्रिज बनाने 16 ट्रक उपकरण पहुंचाए।
- संपर्क मार्गों के लिए 7 अतिरिक्त बेली ब्रिज और उन्हें इंस्टॉल करने तकनीकी दल भेजा।
- काठमांडू और बीजिंग में राउंड-द-क्लॉक हेल्पलाइन शुरू की।
- भारत ने विशिष्ट उपकरणों से लैस 13 सदस्यीय विशेषज्ञ सेना टीम को टनल ऑपरेशन्स के लिए भेजा।
- एनडीआरएफ के विशेषज्ञों और हाई-टेक खोज उपकरणों वाली तकनीकी टीमों को भेजा।

संपादकीय

उम्मीद से ज्यादा तेज़ी

जीडीपी में मज़बूत बढ़ोतरी से आत्ममुग्ध न हों

ऐसे वक्त में जब अमेरिका-ईरान युद्ध से कच्चे तेल के दामों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई और आपूर्ति शृंखला बाधित रही, देश की अर्थव्यवस्था में मजबूती का संकेत सुखद ही कहा जायेगा। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद दर 7.8 रही है। यह प्रदर्शन केंद्रीय बैंक आरबीआई के सात फीसदी की विकास दर के अनुमान से भी अधिक है। यह दर बाजार की उम्मीदों से भी अधिक है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव और ग्लोबल अनिश्चितता के बावजूद देश सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है। दरअसल, इस तेज विकास दर को पाने हेतु विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन से मदद मिली है। वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में सेवा क्षेत्र में दस फीसदी की विकास दर उत्साहजनक रही है। विनिर्माण क्षेत्र में 9.2 तथा निर्माण क्षेत्र में विकास दर 7.7 फीसदी की वृद्धि ने देश की आर्थिकी को गति दी है। दरअसल,औद्योगिक विकास ने भी सकल विकास दर को संबल दिया । इससे भारतीय घरेलू अर्थव्यवस्था के महत्व का पता चलता है। उल्लेखनीय है इस दौरान देश में उपभोक्ता मांग अच्छी बनी रही। वास्तव में देश के बड़े उपभोक्ता बाजार ने वैश्विक मांग और व्यापार में आई शिथिलता के बावजूद स्वदेशी आर्थिकी को मजबूती दी है। भले ही देश का विपक्ष इस कामयाबी को आंकड़ों की बाजीगरी बता रहा है लेकिन सरकार इस उपलब्धि पर अपनी पीठ थपथपा सकती है। लेकिन हमें याद रखना चाहिए कि वैश्विक स्तर पर जारी अस्थिरता के चलते भविष्य में पैदा होने वाले जोखिम कम नहीं हो जाते हैं। विकास दर के इन आंकड़ों के चलते हमें लापरवाह होने से बचना चाहिए। पूंजीगत सामान के ज्यादा उत्पादन व सरकारी पूंजीगत व्यय में वृद्धि से पता चलता है कि देश में संरचनात्मक विकास व निवेश की मांग बनी हुई है।

> “ यह दर बाजार की उम्मीदों से भी अधिक है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव और ग्लोबल अनिश्चितता के बावजूद देश सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है। दरअसल, इस तेज विकास दर को पाने हेतु विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन से मदद मिली है। वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में सेवा क्षेत्र में दस फीसदी की विकास दर उत्साहजनक रही है।

वास्तव में देश के नीति-नियंताओं को हमारी खाद्य शृंखला को मजबूती देने वाले और महंगाई को प्रभावित करने वाले कृषि उत्पादन में तेजी लाने की जरूरत है। ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के बीच इस बार देश के विभिन्न क्षेत्रों में हुई असमान बारिश का असर भी कृषि उत्पादन पर पड़ सकता है। देश का कृषि क्षेत्र अभी भी मौसम की मार के प्रति संवेदनशील बना हुआ है। बहरहाल, पहली तिमाही के उत्साहवर्धक आंकड़े देश की वार्षिक विकास की अनुमानित दर में संशोधन करने की जरूरत को बताते हैं। यदि देश में घरेलू मांग और निवेश मजबूत बने रहते हैं तो हमें भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वार्षिक विकास दर का 6.7 फीसदी का अनुमान कम लग सकता है। इसके बावजूद, एक अच्छे तिमाही नतीजों का मतलब यह नहीं है कि आसन्न जोखिम से पूरी तरह बचा जा सकता है। ध्यान रहे कि 7.8 फीसदी की विकास दर पिछली तिमाही की 8.6 फीसदी की वृद्धि दर के मुकाबले थोड़ा कम है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी अनिश्चितताएं अभी बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। वैश्विक कारोबारी तनाव, भू-राजनीतिक टकराव और ऊर्जा आपूर्ति में लगातार जारी संभावित बाधाओं से हमारा लागत मूल्य बढ़ सकता है। जिससे देश के निर्यातों में वृद्धि की संभावनाएं कमजोर हो सकती हैं। भारत जैसे देश के लिये कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है, जो अपने अधिकांश ऊर्जा संसाधनों का आयात करता है। जरूरी यह भी है कि देश की विकास दर में दर्शाई जा रही तेजी का अहसास आम आदमी की जिंदगी में भी दिखायी दे। देश की आंतरिक स्थितियों पर भी ध्यान देना जरूरी है। विकास दर वृद्धि के सम्मोहन में देश में महंगाई और बेरोजगारी की समस्या की अनदेखी नहीं की जा सकती। बहरहाल, जहां सरकार विकास दर को सुधारों का प्रतिफल बता रही है, वहीं विपक्ष जीडीपी के अनुमानों के तरीकों पर सवाल उठा रहा है। ऐसी जांच-पड़ताल व बहस ठोस सबूतों पर आधारित होनी चाहिए। बहरहाल, सरकार को विकास दर के आंकड़ों से आत्ममुग्ध नहीं होना चाहिए। जरूरत इस बात की है कि विकास के आंकड़ों को व्यापक विकास में बदला जाए। जिससे सही मायने में रोजगार बढ़े, लोगों की आमदनी बढ़े और हम आसन्न वैश्विक संकटों का मुकाबला करने में सक्षम हों।

नीट परीक्षा के आयोजन में मौजूद बुनियादी खामियां

कृष्ण कुमार

नीट (नेशनल एलिजिबिलिटी-कम-एंट्रेंस टेस्ट) के साथ समस्या सिर्फ़ इसके पेपर लीक होने की प्रवृत्ति नहीं है। इससे भी बड़ी समस्या यह है कि इसके काम का तरीका बहुत अपरिष्कृत है। इसके लिए जो ऊंचा लक्ष्य रखा गया है, वह इसके अंदरूनी पुराने तौर-तरीकों से मेल नहीं खाता। नीट का मकसद लाखों लोगों में से उन्हें चुनना है, जो मेडिकल कॉलेज में दाखिला पाने को सबसे योग्य हों।

वास्तव में, इस मुश्किल काम को पूरा करने का तरीका बहुत सामान्य सा है। इसमें तीन विज्ञान विषयों—भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान—से 180 सवाल पूछे जाते हैं। ये सभी सवाल एक ही फ़ॉर्मेट में होते हैं। हर सवाल के लिए चार संभावित जवाब दिए जाते हैं। उनमें से सिर्फ़एक सही होता है। माना यह जाता है कि अगर छात्र होशियार है, तो वह तुरंत सही जवाब पहचान कर उसे चिह्नित कर देगा और अगले मल्टीपल-चॉइस क्वेश्चन (एमसीक्यू) पर बढ़ जाएगा। इसी फ़ॉर्मेट को एमसीक्यू कहते हैं।

यह फ़ॉर्मेट भारतभर में इतना क्यों फैल गया है, यह एक ऐसा सवाल है, जिसका जवाब ढूंढ़ना वाजिब होगा। बैंकिंग से लेकर मेडिकल कॉलेजों तक, लगभग हर क्षेत्र में अब शिक्षा और नौकरी के लिए उम्मीदवारों को चुनने के लिए एमसीक्यू सिस्टम का इस्तेमाल होता है। यह इतना पसंदीदा क्यों बन गया है?

एक तो, एमसीक्यू के ज़रिए बड़े पैमाने पर परीक्षा लेना और तैयारी करवाना आसान होता है। कोचिंग उद्योग अब शिक्षा से भी बड़ा वित्तीय कारोबार बन गया है और इस उद्योग को एमसीक्यू बहुत भाता है। यह सिस्टम मशीनी तरीके से नंबरों का आकलन करने के लिए भी सुविधाजनक है। इस तरह की मार्किंग में निष्पक्षता दिखती है। पेपर लीक होने की घटनाओं को छोड़ दें, तो लोगों को सबसे ज़्यादा चिंता पक्षपात की होती है; इसलिए अगर कोई तरीका इस समस्या को दूर करता हो, तो उसकी लोकप्रियता कम करना मुश्किल होता है।

असल में, एमसीक्यू-आधारित परीक्षा प्रक्रिया की मार्फ़त बड़ी संख्या में उम्मीदवारों की छंटाई कर उन्हें बाहर करना आसान बन जाता है। चूंकि बाहर किए जाने की यह प्रक्रिया मशीनी होती है और इसलिए निष्पक्ष बन जाती है। यही वजह है कि इस प्रक्रिया को वैध माना जाता है, भले ही यह पूरी सटीक न हो।

वैधता और सटीकता के बीच का फ़र्क़ समझना ज़रूरी है। 'वैधता' का मतलब है लोगों की सोच में और कानूनी तौर पर सही उतरना। दूसरी ओर, 'सटीकता' का मतलब है परीक्षा के तरीके का उसके उद्देश्य से गहरा संबंध होना। नीट के खास संदर्भ में, कोई यह दावा नहीं कर सकता कि जो छात्र तेज़ी से भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान के एमसीक्यू हल कर सकता है, उसमें एक अच्छा डॉक्टर बनने की क्षमता और योग्यता, दोनों हैं। नीट का काम बस बड़ी संख्या में आवेदकों को छांटकर अलग करना है। छंटनी के बाद बाहर हो चुके छात्रों में कितनों में डॉक्टर बनने के लिए ज़रूरी गुण और क्षमता थी, इसकी किसी को परवाह नहीं है। इस बात की भी कोई परवाह नहीं करता कि बाहर किए गए छात्र समाज के कमज़ोर वर्गों से थे या नहीं। ज़्यादातर मामलों में, नीट और ऐसे ही दूसरी परीक्षाओं में सफलता कोचिंग से जुड़ी होती है। कोचिंग पर उम्मीदवार और उनके माता-पिता का काफ़ी पैसा खर्च होता है। बहुत से छात्र किसी भी तरह की कोचिंग का खर्च नहीं उठा सकते, अच्छे और नामी कोचिंग सेंटर्स की तो बात ही छोड़ दें; ये सेंटर्स अपनी सफलता की दर, अपने कोच और वहां रहने-सहने की सुविधाओं के प्रचार-प्रसार पर बहुत पैसा खर्च करते हैं। अत्यंत व्यावसायिक हो चुकी इन सेवाओं ने स्कूलों और शिक्षकों को अप्रासंगिक बना दिया है।

नीट में हालिया पेपर लीक का मामला कोई इक्का-दुक्का घटना नहीं थी। असल में, यह इतना आम हो गया है कि अगर कोई परीक्षा बिना पेपर लीक हुए भी हो जाए, तब भी लोगों में शक बना रहता है। प्रश्नपत्र लीक होने से परीक्षा का मकसद ही खत्म हो जाता है; साथ ही, यह उस सामाजिक माहौल को भी खराब कर देता है, जिसमें युवा रहते हैं और परीक्षा में सफल होने के लिए जी-तोड़ मेहनत करते हैं। प्रश्नपत्र पेपर लीक होना कोई नई बात नहीं, और न ही यह धांधली का एकमात्र तरीका है, जिससे भारत की परीक्षा प्रणाली दरपेश है। धांधली का मुख्य तरीका पेपर लीक बनने से बहुत पहले, गलत ढंग से सफलता पाने की कहानियां आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में आम चर्चा का विषय हुआ करती थीं।

सवाल हल करने में मदद करने वाली कोई भी सामग्री परीक्षा केंद्र में साथ ले जाना मना था, लेकिन यह चलन इतना आम था कि इसने रवींद्रनाथ टैगोर तक का ध्यान खींचा। एक दिलचस्प ज़िक्र में, हैरान कविवर ने ऐसे छात्रों की तुलना हनुमान से की थी, जो लक्ष्मण की जान बचाने वाली खास जड़ी-बूटी लाने की बजाय पूरा पहाड़ ही उठा लाए थे।

आज़ादी के बाद वाले काल में और डिजिटल दौर से पहले, परीक्षा से जुड़ी कई अन्य किस्म की धांधलियां सामने आईं। एक थी, 'परीक्षा केंद्रों की बिक्री', जहां उम्मीदवार आसानी से सीधे पाठ्यपुस्तक या उसकी 'कुंजी' (सवालों के हल आसान तरीके से समझाने वाली पुस्तिका) जैसे भरोसेमंद स्रोतों से जवाब नकल कर लिख देते थे। 'नीलाम किए गए' ऐसे कुछ परीक्षा केंद्रों में वे लोग भी मदद के लिए होते थे, जो ब्लैकबोर्ड पर सही जवाब लिख देते थे। वहीं कुछ जगहों पर छद्म परीक्षार्थी (असली उम्मीदवार की जगह परीक्षा देने वाले) की सुविधा भी मिलती थी, जिनका ज्ञान घबराए हुए परीक्षार्थी से कहीं ज़्यादा होता था।

हालांकि, नकल करने और पेपर लीक होने के बीच बुनियादी फ़र्क़ है। पेपर लीक होना न सिर्फ़ व्यवस्था की नाकामी बल्कि उसके नैतिक ढांचे के पतन का भी संकेत है। पेपर लीक होने की खबर सुनकर उम्मीदवार को लाचारी महसूस होती है-न्याय पाने के अपने हक का उल्लंघन हुआ देखकर। जब पेपर लीक होना आम बात हो जाए, तो शक बन जाता है कि जिस प्रश्नपत्र को कोई उम्मीदवार हल कर रहा है, उसके बारे में कुछ लोगों को अवश्य ही पहले से पता है व उन्हें इस 'पूर्व-पहुंच' का फ़ायदा मिलेगा।

इस साल नीट को रद्द कर दिया गया (और बाद में दोबारा कराया गया), क्योंकि पेपर लीक को छिपाना नामुमकिन हो गया था। पिछले साल, कानूनी दांव-पेच से परीक्षा रद्द होने से तो बच गई, लेकिन सीमित पुनर्परीक्षा ने लीक के पैमाने पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। इस साल परीक्षा रद्द होने के बाद हुई आत्महत्याओं से हमें हैरान नहीं होना चाहिए: ये बताती हैं कि 18 साल के आदर्शवादी युवाओं के मन को कितना आघात लगता है। नीट पेपर लीक का असर उन बहुत से युवाओं पर भी पड़ा, जिनका परीक्षा से कोई सीधा लेना-देना नहीं; लीक का मतलब सिर्फ व्यवस्था की कारगुजारी या आयोजन क्षमता में कमी नहीं, बल्कि उसके नैतिक चरित्र का संकट है।

नीट आयोजित करने के लिए चाहे कितनी भी आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल क्यों न हो, उसका अंदरूनी अपरिष्कृत कामकाजी ढांचा कायम रहेगा। तीन विज्ञान विषयों के पाठ्यपुस्तक-आधारित सवालों को सुपरसोनिक रफ़्तार से 'हल' करने की योग्यता का डॉक्टर बनने की प्रेरणा से लेना-देना कम ही है। रफ़्तार की जरूरत कोचिंग संस्थानों को बहुत भाती है। वे युवाओं को गलत विकल्पों को पहचानने और सही जवाब ढूंढ़ने का प्रशिक्षण देते हैं। जबकि इस प्रदर्शन का सीखने या समझने की योग्यता से कोई वास्ता नहीं, और उस आनंद से तो कतई नहीं, जो शिक्षा ग्रहण करने पर मिलता है।

- लेखक एनसीईआरटी के पूर्व निदेशक हैं।

नेपाल की भीषण बाढ़, प्रकृति की चेतावनी

भारत पर मंडरा रहा खतरा

बुधवार सुबह उत्तरी नेपाल के रसुवा जिले में अचानक आई विनाशकारी बाढ़ के बाद भारत में भी खतरा बढ़ गया है। उत्तरी बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के निचले इलाकों में नदिया के जलस्तर बढ़ने की चेतावनी जारी की गई है। निचले इलाके के लोगों को सुरक्षित जगहों पर ले जाया जा रहा है।

उत्तरी नेपाल की भोटे कोशी नदी में अचानक आई भीषण बाढ़ का खतरा भारत पर भी मंडरा रहा है। नेपाल की सीमा से लगते यूपी और बिहार के इलाकों में अलर्ट जारी किया गया है। कई मौतें हुई हैं, सैकड़ों लापता हैं और बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचा है। नेपाल को इस आपदा से उबरने में लंबा समय लगेगा।

लापता लोगों में सौ से ज्यादा भारतीय नागरिक भी बताए जा रहे हैं, जो कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर निकले थे। इन लोगों के बचाव और राहत अभियान के लिए नेपाल को बड़े पैमाने पर मदद की जरूरत है। भारत ने इस मौके पर फौरन कदम उठाए हैं। अभी प्राथमिकता प्रभावितों तक पहुंचना और जो इलाके संकट की जद में आ सकते हैं, वहां तैयारी करना है, लेकिन इसके साथ कुछ जरूरी सवाल भी पूछे जाने चाहिए।

अटकी परियोजनाएं

बिहार के लिए यह अनुभव नया नहीं। सीमापार से आने वाली कोसी, गंडक, बागमती और कमला जैसी नदियां हर साल राज्य में बाढ़ की बड़ी वजह बनती हैं। नेपाल के पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश, भूस्खलन या ग्लेशियर से जुड़ी घटनाओं का असर उत्तरी बिहार तक पड़ता है। हालांकि दोनों देशों के बीच बाढ़ की निगरानी और चेतावनी के लिए मैकेनिज्म मौजूद है, लेकिन इसके साथ रुकी हुई परियोजनाओं को भी आगे बढ़ना होगा। इसमें सबसे महत्वपूर्ण सप्तकोसी हाई डैम परियोजना है, जो कोसी नदी पर प्रस्तावित है। इसका उद्देश्य बाढ़ नियंत्रण के साथ सिंचाई और बिजली उत्पादन भी है, लेकिन यह लंबे समय से फंसी हुई है।

पर्यावरण को नुकसान

दूसरा सवाल जुड़ा है पर्यावरण से। अनुमान है कि तिब्बत क्षेत्र में ग्लेशियर फटने या भूस्खलन के कारण तबाही आई। हिमालयी क्षेत्र में इस तरह की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। सबसे बड़ी वजह है क्लाइमेट चेंज के कारण इस रीजन का बढ़ता तापमान। नेपाल के एक रिसर्च ग्रुप ने इसी साल अपनी रिपोर्ट में बताया था कि हिंदू कुश हिमालयी शृंखला के ग्लेशियर साल 2000 के बाद से दोगुनी रफ्तार से पिघल रहे हैं। चिंताजनक बात यह है कि इसके बावजूद संवेदनशील क्षेत्रों में इंसानी गतिविधियां जारी हैं, जिससे पर्यावरण को नुकसान बढ़ता जा रहा है।

सहयोग बढ़ाए

करीब दो अरब लोग हिमालय से निकलने वाली नदियों के पानी पर निर्भर हैं। यह घटना प्रकृति की तरफ से चेतावनी भी है। दोनों देशों को जल प्रबंधन पर तेजी से बात आगे बढ़ाने की जरूरत है। रुके हुए प्रॉजेक्ट्स को प्राथमिकता दी जाए, राजनीतिक मतभेद अलग रखते हुए सहयोग बढ़ाया जाए।

शहर में सिकुड़ती बच्चों की दुनिया प्रकृति से दूर होता बचपन

जब बच्ची दो साल की हो जाए और चलना शुरू कर दे, तो आमतौर पर उसकी उत्सुकता घर से बाहर निकलने की होती है। दरवाजा खुलते ही वह बाहर की दुनिया को जान लेना चाहती है। मां-पिता उसकी सुरक्षा या उससे प्यार, वजह कोई भी हो, चाहते हैं कि उसके सिर कोई अनजान जोखिम न आए। मगर बच्ची के दिमाग में जो चल रहा होता है, वह अपने आप ही दरवाजे के बाहर निकलने और समझने की कोशिश शुरू कर देती है। हालांकि घर से बाहर निकलते ही उसका सामना सामने खड़ी मोटर साइकिलों से होता है।

उसका चलना अभी दुनिया को जानने का नया अनुभव होता है। उसके चलने की जगहों में आमतौर पर मां या पिता साथ होते हैं। मां या पिता का साथ एक तरह से बच्ची पर निगरानी की शक्ल में होता है, जिसे खयाल रखने या फिक्र करने के तौर पर जाना जाता है। शहर में सभी नागरिकों को चलने के लिए खुली गलियां नसीब नहीं होती। शहर की संरचना में एक तयशुदा ढांचे में ऊपर से नीचे का क्रम है। किसी के चलने के लिए खुली गलियां है और किसी के लिए तंग गालियां। मगर इस सवाल पर सोचने वाला पिता भी उन्हीं तंग गलियों में बच्ची का हाथ पकड़े और कभी उसे अपने कंधों पर लिए रास्ते नापता रहता है। जब हम घर से बाहर जाते हैं, तो हमें आम इंसानों के अलावा दो-तीन तरह के जीव ही देखने को मिलते है। इनमें कुत्ते, गाय और कबूतर जैसे जीव शामिल हैं। कभी-कभी इस सूची में बंदर, गिलहरी और छिपकली भी शामिल हो जाते हैं।

यानी बच्ची के घर से बाहर की दुनिया के शुरुआती यथार्थ अनुभव में चारों तरफकंक्रीट की संरचनाएं और मशीनें होती हैं तथा कुछ जीव देखने को मिलते हैं। थोड़ा और बाहर जाने पर इस दुनिया में सड़क पर भागती-दौड़ती और हार्न बजाती गाड़ियों की दुनिया भी शामिल हो जाती है। सच यह है कि हमारे शहर के व्यस्त और तंग इलाके एक बच्चे के सीखने और जानने के शुरुआती कर्म में किस तरह एक नीरस अनुभव के रूप में शामिल हो रहे हैं।

हलषष्ठी पर्व

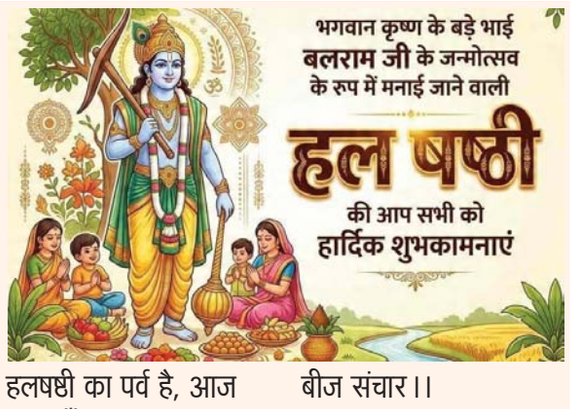

हलषष्ठी का पर्व है, आज सजाऊँ द्वार।
सुखी रहें वंशज सभी, व्रत पूजन आधार।।

बलदाऊ से प्रार्थना, विनती करूँ अनंत।
रिद्धि-सिद्धि सह सम्पदा, वर दो हे! बलवंत।।

संतति सुख की कामना, करतीं माएँ आज।
कलश धरे सुनतीं कथा, सुन्दर उत्तम काज।।

बलदाऊ के नाम से, खेती शुभ संसार।
चंदन माटी बोइये, बहुल बीज संचार।।

जीव-जगत भोजन मिले, कहें सभी आभार।
'सुषमा' सुंदर हो धरा, हरियाली शृंगार।।

भूमिपुत्र के देव तुम, हलधर हैं शुभ नाम।
अन्न आदि भरपूर हों, पूर्ण समूचे काम।।

जन्मदिवस पर देव श्री, पूजन हो स्वीकार।
धारण नीलाम्बर करें, यही जगत उपहार।।

-सुषमा प्रेम पटेल, रायपुर

अति की हदों को पार करती असहमति

राजीव सचान

इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही की जीडीपी विकास दर 7.8 प्रतिशत रहने पर प्रधानमंत्री मोदी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जब यह कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं और चुनौतियों के बावजूद यह वृद्धि देश के लोगों की सामूहिक शक्ति और आर्थिक आत्मविश्वास का परिणाम है तो कांग्रेस को यह बिल्कुल रास नहीं आया। उसने अर्थव्यवस्था की तमाम कमजोरियों का उल्लेख करते हुए मोदी सरकार को निशाने पर लिया। ऐसा नहीं है कि आर्थिक मोर्चे पर किसी तरह की समस्याएं नहीं हैं, लेकिन कांग्रेस का उद्देश्य उन्हें गिनाना नहीं, बल्कि यह सिद्ध करना था कि जीडीपी में वृद्धि किसी तरह की उपलब्धि नहीं है। उसने यह काम पूरी शिद्दत से किया और इसके लिए कई प्रवक्ताओं को मैदान में उतारा। नि:संदेह किसी को यह अपेक्षा नहीं करनी चाहिए कि विपक्ष सरकार की प्रशंसा करेगा।

विपक्ष का काम सरकार की खामियों को इंगित करना और उसकी गलतियों के लिए उसे कठघरे में खड़ा करना है। इससे ही सरकारों पर दबाव बनता है और वे सही तरह काम करने के लिए बाध्य होती हैं, लेकिन पिछले लगभग दो दशकों से असहमति की राजनीति अपनी हदों को पार कर विरोध के लिए विरोध की राजनीति में बदल चुकी है। विरोध के लिए विरोध की राजनीति के चलते आज राजनीतिक माहौल इतना कटुतापूर्ण, छिद्रान्वेषी और नकारात्मक हो गया है कि यदि कोई नेता ऐसा कुछ कह दे कि नियमों का पालन करें और संयम एवं अनुशासन का परिचय दें तो विरोधी दल के नेता इसका भी विरोध करने के लिए आगे आ सकते हैं। इसके लिए उनके पास तरह-तरह के (कु)तर्क भी होंगे। कटु एवं नकारात्मक राजनीतिक विमर्श का असर सामाजिक विमर्श पर भी पड़ रहा है।

यह एक तथ्य है कि सोशल मीडिया कहे जाने वाले डिजिटल प्लेटफार्मों पर विचार-विमर्श का स्थान गाली-गलौज ने ले लिया है। इसका कारण यह है कि राजनीतिक दलों के आइटी सेल विरोधी दलों के नेताओं पर प्राय: बिलो द बेल्ट यानी अपमानजनक प्रहार करते ही रहते हैं। अब ऐसे प्रहार करने के लिए एआइ का भी सहारा लिया जा रहा है। कई बार इसकी चपेट में महिला नेता भी आ जाती हैं। इसके नतीजे में राजनीतिक और सामाजिक माहौल बुरी तरह दूषित हो रहा है। इस प्रदूषण के दूर होने की कोई सूरत नहीं दिखती। कटुतापूर्ण राजनीति ने महापुरुषों को भी बांट दिया है। अब राजनीति और समाज के स्तर पर लोग किसी राष्ट्रीय दायित्व या अभियान के प्रति कठिनाई से ही एकमत और एकजुट होते दिखते हैं, जबकि देश की कई समस्याएं ऐसी हैं, जिन्हें लोगों की सामूहिक भागीदारी से ही दूर किया जा सकता है, जैसे सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी से मुक्ति।

आज स्वच्छ भारत जैसे अभियान असरहीन होते दिख रहे हैं तो इसीलिए कि इस अभियान में आम जनता की पहली जैसी भागीदारी नहीं दिखती। जब यह अभियान शुरू हुआ था तो आम लोगों की इसमें दिलचस्पी और भागीदारी दिख रही थी कि सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैले, लेकिन अब वह दिखाई नहीं देती। यह एक ऐसा अभियान है, जो आम जनता की भागीदारी के बिना सफल नहीं हो सकता। यदि लोग सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलने से रोकने के लिए सक्रिय-सचेत नहीं रहते तो सरकारें और उनकी एजेंसियां कुछ भी कर लें, बात बनने वाली नहीं है।

विडंबना यह है कि जब से यह अभियान शुरू हुआ, तबसे शायद ही किसी विपक्षी नेता ने इसे सफल बनाने में अपने लोगों को भागीदार बनने के लिए प्रेरित किया हो। कुछ ऐसी ही स्थिति बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों की भी है। विरोधी राजनीतिक दलों को लगता है कि जिस दल ने इन अभियानों को शुरू किया, उनके लोगों को ही इनमें भागीदार बनने की आवश्यकता है। शायद यही कारण है कि हर घर तिरंगा जैसे अभियानों में भी सभी राजनीतिक दलों की भागीदारी नहीं दिखती। इसमें गहन संदेह है कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विरोधी राजनीतिक दल किसी तरह का उत्साह-उमंग दिखाते होंगे। हैरानी नहीं कि मोदी सरकार के हटते ही इस दिवस को मनाना ही बंद कर दिया जाए।

यह एक तथ्य है कि जनभागीदारी वाले कई सामाजिक अभियान महज मोदी सरकार के अभियान बनकर रह गए हैं। यह स्थिति तब है, जब देश में कई समस्याएं ऐसी हैं, जिनका समाधान जनता की सामूहिक भागीदारी से ही किया जा सकता है। संकट यह है कि अब राजनीतिक दल किसी भी मुद्दे पर एकमत नहीं होते-न तो संसद में और न ही संसद के बाहर। हालांकि इसके लिए राष्ट्रीय एकता परिषद के रूप में एक मंच है, लेकिन वह लंबे समय से निष्क्रिय है। यह सही समय है कि इस निष्क्रिय मंच को सक्रिय किया जाए। राष्ट्रीय एकता परिषद एक गैर-संवैधानिक निकाय है। इस परिषद के अध्यक्ष प्रधानमंत्री होते हैं।

इसके सदस्यों में सभी मुख्यमंत्री, राजनीतिक दलों के नेता, विभिन्न आयोगों के अध्यक्ष, उद्योग, व्यापार, मीडिया और श्रमिक संघों के प्रतिनिधि होते हैं। इसकी स्थापना 1961 में की गई थी। कहीं यह मंच इसलिए तो निष्क्रिय नहीं कि इसकी स्थापना प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने की थी? जो भी हो, यह ध्यान रहे कि इस परिषद का उद्देश्य सांप्रदायिकता, जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद और संकीर्णता जैसी समस्याओं का सामना करना था। कोई इससे इन्कार नहीं कर सकता कि इन समस्याओं का सामना करने की आवश्यकता आज भी है और इसकी पूर्ति सबके सहयोग से ही संभव है।

- लेखक दैनिक जागरण में एसोसिएट एडिटर हैं

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें...

जिला स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन 11 सितम्बर को

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग एवं शासकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में 11 सितम्बर 2026 को शासकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था दुर्ग में जिला स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। उप संचालक रोजगार जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन दुर्ग से प्राप्त जानकारी अनुसार इस मेले हेतु निजी क्षेत्र के नियोजक जो अपने संस्थान में रिक्त पदों को इस रोजगार मेला के माध्यम से भरना चाहते हैं, वे 09 सितम्बर 2026 तक रिक्त पदों की जानकारी छत्तीसगढ़ रोजगार विभाग के ई-रोजगार पोर्टल के माध्यम से जिला रोजगार कार्यालय दुर्ग को अधिसूचित करेंगे। छत्तीसगढ़ रोजगार विभाग के ई-रोजगार पोर्टल के माध्यम से रिक्तियाँ प्रेषित करने के लिए नियोजकों का पोर्टल पर रोजगार मेला हेतु नियोक्ता पंजीयन कराना अनिवार्य होगा जिसके लिए नियोक्ता का जीएसटी क्रमांक एवं डॉक्यूमेंट अपलोड करना आवश्यक होगा।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में जिले ने हासिल की बेहतर प्रगति

दुर्ग। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत जिले में खरीफ2026 में 1 लाख 5 हजार 181 हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलों का बीमा कराया गया है। इस वर्ष की मौसमी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए कृषि विभाग द्वारा बीमा कंपनी के सहयोग से जिले की ग्राम पंचायतों में सघन फसल बीमा अभियान चलाया गया, जिसके सकारात्मक परिणाम मिले है। धान सिंचित क्षेत्र में 90 हजार 247 हेक्टेयर तथा धान असिंचित क्षेत्र में 13 हजार 862 हेक्टेयर क्षेत्र का बीमा हुआ है। इसके अलावा सोयाबीन में 1 हजार 45 हेक्टेयर क्षेत्र का बीमा हुआ है। इसके अलावा सोयाबीन में 1 हजार 45 हेक्टेयर तथा अरहर में 27 हेक्टेयर क्षेत्र बीमित हुआ है। सघन अभियान के परिणामस्वरूप खरीफ 2026 में धान सहित विभिन्न खरीफ फसलों के बीमा क्षेत्र में गत वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। गत वर्ष लगभग 1 लाख 186 हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों का बीमा हुआ था, जबकि इस वर्ष 5 हजार हेक्टेयर अधिक अतिरिक्त क्षेत्र को फसल बीमा के दायरे में लाया गया है।

सेलूद और उमरपोटी के स्कूलों हेतु 25.57 लाख के विकास कार्यों की स्वीकृति

दुर्ग। ग्रामीण क्षेत्रों में शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार और बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने के उद्देश्य से जिला पंचायत दुर्ग द्वारा एक बड़ा कदम उठाया गया है। कलेक्टर अभिजीत सिंह के अनुमोदन पश्चात् जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बीके दुबे ने विकसित भारत रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन योजना के तहत जनपद पंचायत पाटन और जनपद पंचायत दुर्ग के अंतर्गत शासकीय शालाओं में निर्माण कार्यों के लिए कुल 25 लाख 57 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। निर्माण कार्य संबंधित ग्राम पंचायतों द्वारा संपादित कराए जाएंगे।

प्लेट मिल एवं यूआरएम ने रचा नया इतिहासः उत्पादन एवं प्रेषण में कई नए कीर्तिमान, यूआरएम ने पार किया 100 लॉन्ग रेल रेक का आंकड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के प्लेट मिल एवं यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) ने अगस्त 2026 में उत्पादन एवं प्रेषण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करते हुए कई नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। प्लेट मिल ने उत्पादन एवं प्रेषण में पांच नए रिकॉर्ड बनाए, वहीं यूआरएम ने पहली बार एक माह में 100 से अधिक EUR (लॉन्ग रेल) रेक का प्रेषण कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। दोनों मिलों का यह शानदार प्रदर्शन परिचालन उत्कृष्टता, उच्च उत्पादकता, निरंतर सुधार और टीम भावना के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इन उपलब्धियों के अवसर पर निदेशक प्रभारी, भिलाई इस्पात संयंत्र, चित्तरंजन महापात्र ने प्लेट मिल एवं यूआरएम का दौरा कर दोनों विभागों के कार्मिकों को बधाई दी। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) ए. के. चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) प्रवीण निगम, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) प्रबीर कुमार सरकार, कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) राकेश कुमार, कार्यपालक निदेशक (माइंस) कमल भास्कर तथा कार्यपालक निदेशक (रावघाट) अरुण कुमार उपस्थित रहे। निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र एवं सभी कार्यपालक निदेशकों ने प्लेट मिल एवं यूआरएम की पूरी टीम तथा सभी संबद्ध विभागों को इस शानदार प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दोनों विभाग अपनी प्रतिबद्धता, समर्पण और टीम भावना के साथ भविष्य में भी नए कीर्तिमान स्थापित करते हुए भिलाई इस्पात संयंत्र की विकास यात्रा को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। उन्होंने दोनों मिलों की टीमों के समर्पण, टीम भावना एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दीं। लॉन्ग रेल के कुल प्रेषण में भी बीएसपी ने सर्वकालिक रिकॉर्ड बनाया। अगस्त 2026 में संयंत्र से कुल 119 श्वक्ररेक का प्रेषण हुआ, जो जून 2026 के 111 श्वक्ररेक के पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से अधिक है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि बीएसपी पूर्व में आरएसएम एवं यूआरएम को मिलाकर लगभग 100 लॉन्ग रेल रेक के प्रेषण स्तर तक पहुंचता रहा है। अब केवल यूआरएम से ही एक माह में 100 से अधिक लॉन्ग रेल रेक का प्रेषण होना मिल की उत्पादन एवं प्रेषण क्षमता में हुए महत्वपूर्ण सुधार तथा परिचालन दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है।

प्लेट मिल ने अगस्त में बनाए पांच नए रिकॉर्ड

प्लेट मिल ने अगस्त 2026 में 1,25,214 टन का सर्वश्रेष्ठ अगस्त उत्पादन दर्ज किया, जिसने अगस्त 2025 के 1,20,448 टन के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इसके साथ ही प्लेट मिल ने डायरेक्ट प्रेषण में 85,101 टन, हाई टेंसाइल प्रेषण में 40,050 टन तथा दैनिक रोड प्रेषण में 1,699 टन एवं 52 ट्रॉलियों का नया रिकॉर्ड बनाया। अगस्त माह का कुल प्रेषण भी 1,28,159 टन के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा।

यूआरएम ने पहली बार पार किया 100 लॉन्ग रेल रेक का आंकड़ा

यूआरएम ने अगस्त 2026 में 260 मीटर रेल पैनल के 102 श्वक्ररेक का प्रेषण कर पहली बार एक माह में 100 रेक का आंकड़ा पार किया। इससे पहले यूआरएम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जून एवं जुलाई 2026 में 94 EUR रेक का था। उल्लेखनीय है कि यूआरएम ने मई 2026 से लगातार चौथे माह निर्धारित क्षमता के अनुरूप प्राइम उत्पादन किया है। लगातार चार माह निर्धारित क्षमता पर उत्पादन के बाद 100 से अधिक श्वक्ररेक का प्रेषण यूआरएम की परिचालन स्थिरता, बढ़ी हुई उत्पादन क्षमता और प्रभावी ग्राहक प्रेषण क्षमता को दर्शाता है।

स्वाइन फ्लू की रोकथाम व बचाव के उपाय

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टरअभिजीत सिंह के निर्देशानुसार जिले में स्वाइन फ्लू के संबंध में डॉ. मनोज दानी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग, डॉ. सी.बी.एस. बंजारे, जिला सर्वेलेंस अधिकारी, आईडीएसपी दुर्ग एवं सुश्री भूमिका वर्मा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, एन.एच.एम. दुर्ग के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। दुर्ग जिले में 05 से 29 अगस्त 2026 तक कुल 13 स्वाइन फ्लू धनात्मक प्रकरण मिले। वर्तमान में जिले में कुल 09 एक्टिव मरीज है, जिनका विभिन्न अस्पतालों में चिकित्सकीय उपचार चल रहा है जिनकी स्थिति अभी सामान्य है। जिले में नये धनात्मक प्रकरण मिलने पर कांटेक्ट ट्रेसिंग की जाती है, नियमित मरीज की मोनिटरिंग की जाती है।

स्वाइन फ्लू के संबंध में सामान्य जानकारी: स्वाइन फ्लू श्वसन तंत्र का संक्रमण है, जो इन्फ्लूएंजा ए वायरस के कारण होता है। इन्क्यूबेशन पीरियड सामान्यता 1-2 दिवस। संक्रमण का प्रसार संक्रमित व्यक्ति में लक्षण प्रारंभ होने के 3-5 दिवस तक अन्य व्यक्तियो में हो सकता है। संक्रमण का प्रसार सामान्यता संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से ड्राप्लेट इन्फेक्शन के माध्यम से होता है।

खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को रूमाल/टिश्यू या कोहनी से ढकें। हाथों को बार-बार साबुन पानी से धोएं या सैनिटाइजर का उपयोग करें। आंख, नाक और मुंह को बार-बार छूने से बचें। स्वाइन फ्लू से पीड़ित व्यक्ति से उचित दूरी बनाए रखें। पर्याप्त आराम करें, भरपूर नींद लें, पानी पिएं और पौष्टिक भोजन करें। लक्षण होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र से संपर्क करें। होम आइसोलेशन के दौरान स्वास्थ्य की निगरानी करें तथा स्थिति बिगड़ने पर तुरंत अस्पताल जाएं। अभिवादन के लिए हाथ न मिलाएं और गले न मिलें। डॉक्टर की सलाह के बिना दवाई न लें। बीमारी के लक्षण होने पर स्कूल, कार्यालय या भीड़भाड़ वाले स्थानों पर न जाएं। खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को ढक लेवे।

निगम आयुक्त ने किया विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह ने शहर में नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित विकास कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने के उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

आयुक्त ने नेहरू नगर पूर्व सीवर लाइन, निर्माणाधीन हाइजीनिक फूड जोन, पावर हाउस जवाहर मार्केट में प्रस्तावित कार्य, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं ग्रीन टाउन के प्रस्तावित कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने के साथ आवश्यक व्यवस्थाओं को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

निगम आयुक्त ने सबसे पहले नेहरू नगर पूर्व सीवर लाइन का निरीक्षण किया। उन्होंने सीवर लाइन की वर्तमान स्थिति का जायजा लेते हुए आवश्यक सफाई एवं सुधार कार्य कराने के निर्देश दिए। साथ ही क्षेत्र में पानी निकासी की व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति निर्मित न हो, इसके लिए आवश्यक कदम उठाने कहा। इसके पश्चात आयुक्त ने चंद्रा मौर्या के सामने निर्माणाधीन हाइजीनिक फूड जोन का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता का बारीकी से अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों से कार्य की प्रगति की जानकारी ली। आयुक्त ने निर्माण कार्य में तेजी लाते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए, ताकि नागरिकों को व्यवस्थित एवं स्वच्छ वातावरण में खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए हाइजीनिक फूड जोन का लाभ जल्द मिल सके। इसी क्रम में उन्होंने पावर हाउस स्थित जवाहर मार्केट में प्रस्तावित कार्य का भी निरीक्षण किया। आयुक्त ने प्रस्तावित कार्य से संबंधित जानकारी लेते हुए आगे की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर विकास कार्य को जल्द प्रारंभ किया जाए, जिससे क्षेत्र के नागरिकों एवं व्यापारियों को इसका लाभ मिल सके।

धान खरीदी पंजीयन- संस्थागत छूट समाप्त, बिना एग्रीस्टेक पंजीयन नहीं बिकेगा धान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने पीडब्ल्यूडी के सभाकक्ष में एग्रीस्टेक एवं बकेट क्लेम में किसानों के पंजीयन के संबंध में सभी अनुविभागीय अधिकारियों, कृषि विभाग, सहकारिता निरीक्षक, कृषि विस्तार अधिकारी, अधीक्षक भू-अभिलेख, सहायक अधीक्षक एवं सभी समिति प्रबंधकों की समीक्षा बैठक ली।

कलेक्टर ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि किसानों का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। सहखातेदार सभी का पंजीयन होना चाहिए। बकेट क्लेम में किसानों के पंजीयन लंबित है जिसके लिए कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की। कलेक्टर श्री सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिये हैं

कि इस वर्ष धान बिक्री के लिए एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीयन एवं सह-खातेदारों का बकेट क्लेम (सहमति सत्यापन) अनिवार्य रहेगा। बकेट क्लेम जब किसी कृषि भूमि में एक से अधिक हिस्सेदारी दर्ज होते हैं, तो उसे संयुक्त खाता कहते है। प्रत्येक हिस्सेदार के नाम से बकेट आई डी बनता है, इस बकेट को एग्रीस्टेक में पंजीयन कराना ही बकेट क्लेम कहा जाता है। कलेक्टर ने अधिकारियों एवं समिति प्रबंधकों को सख्त निर्देश दिये है कि बकेट क्लेम और किसानों के पंजीयन का कार्य समय-सीमा में पूरा करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएं। इन शिविरों के माध्यम से स्थल पर ही सह खातेदारों का सत्यापन, ओटीपी आधारित सहमति और पंजीयन प्रक्रिया को पूर्ण करने को कहा।

कलेक्टर ने कहा कि पिछले वर्षों में संस्थागत पंजीयन वाले किसानों को जो विशेष छूट दी गई थी, उसे इस वर्ष पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। अब संस्थागत सहित सभी श्रेणियों के किसानों का पोर्टल पर पंजीयन होना अनिवार्य है। जिन किसानों का पंजीयन नहीं होगा, वे धान बिक्री से वंचित रह जाएंगे। उन्होंने समिति प्रबंधकों एवं संबंधित अमले को सभी लंबित बकेट क्लेम का कार्य तत्काल पूर्ण करने के निर्देश दिए। संयुक्त खाते की स्थिति में सभी सह-खातेदारों (जैसे भाई, बहन या अन्य हिस्सेदार) का बकेट क्लेम अनिवार्य किया गया है। यदि सह-खातेदार बाहर या दूसरे शहर में रहते हैं, तो उनका भौतिक रूप से उपस्थित होना आवश्यक नहीं है। समिति या केंद्र से उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी भेजकर ऑनलाइन सहमति प्राप्त की जा सकती है। जब तक सभी सह-खातेदारों का सत्यापन पूर्ण नहीं होगा, तब तक धान खरीदी की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ेगी। समिति प्रबंधकों को निर्देशित किया गया है कि लंबित बकेट क्लेम वाले किसानों को जारी नोटिस की विधिवत तामीली कराएं।

तामीली रसीद पर अधिकृत व्यक्ति का नाम, पद, हस्ताक्षर और तिथि स्पष्ट रूप से दर्ज होनी चाहिए ताकि बाद में किसी प्रकार की शिकायत या विवाद की स्थिति न बने।

पंजीयन के आसान विकल्प

किसान अपना पंजीयन और बकेट क्लेम निकटतम प्राथमिक कृषि साख समिति, तहसील कार्यालय या लोक सेवा केंद्र के माध्यम से करा सकते हैं। कलेक्टर ने किसानों से अपील की है कि समय पर अपना पंजीयन और सह-खातेदारों का सत्यापन पूर्ण कराएं ताकि धान खरीदी शुरू होने पर किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

पंजीयन न कराने वालों से घोषणा पत्र अनिवार्य

जो किसान या संस्थागत खाताधारक इस वर्ष धान नहीं बेचना चाहते हैं, उनसे लिखित घोषणा पत्र लिया जाएगा। इसमें यह दर्ज रहेगा कि वे स्वेच्छा से पंजीयन नहीं करा रहे हैं और भविष्य में धान न बिकने पर समिति की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

दशकों पुराने पुल को मिलेगा नया स्वरूप, जुनवानी रोड पर बनेगा नया ब्रिज

विधायक सेन के प्रयासों को मिली बड़ी सफलता, यातायात दबाव से मिलेगी राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में सड़क, यातायात और नागरिक सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम सामने आया है। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन के प्रयासों से जुनवानी रोड स्थित नाले पर नए ब्रिज के निर्माण के लिए 10 करोड़ 67 लाख रुपये की स्वीकृति मिली है। लंबे समय से क्षेत्र की यातायात व्यवस्था और बरसात के दौरान नाले के ओवरफ्लो से जुड़ी समस्याओं के समाधान की मांग अब धरातल पर उतरती दिखाई दे रही है।

आपको बता दें कि दशकों पूर्व निर्मित मौजूदा ब्रिज समय के साथ क्षेत्र की बढ़ती आबादी और यातायात के दबाव के सामने छोटा और अपर्याप्त साबित हो रहा था। जुनवानी रोड पर लगातार बढ़ते आवागमन को देखते हुए नाले के ऊपर बेहतर और आधुनिक ब्रिज की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। नई स्वीकृति इसी आवश्यकता को स्थायी समाधान में

बदलने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है।

पुराने ब्रिज और नाले की स्थिति के कारण बारिश के मौसम में जलभराव एवं ओवरफ्लो की आशंका क्षेत्रवासियों के लिए चिंता का विषय रही है। ऐसे में प्रस्तावित नया ब्रिज बेहतर जल निकासी व्यवस्था और सुरक्षित आवागमन की दिशा में अहम भूमिका निभा सकता है। वहीं जुनवानी रोड पर बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए आधुनिक ब्रिज क्षेत्र के लोगों के लिए रोजमर्रा के आवागमन को अधिक सुविधाजनक बनाने वाला साबित हो सकता है।

किसी भी क्षेत्र के विकास का वास्तविक अर्थ तभी सामने आता है, जब वर्षों से चली आ रही स्थानीय समस्याओं को प्राथमिकता देकर उनके स्थायी समाधान की दिशा में काम किया जाए। जुनवानी रोड के नाले पर नए ब्रिज के लिए मिली 10 करोड़ 67 लाख की स्वीकृति इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण है। क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को विकास कार्य में बदलने की दिशा में विधायक रिकेश सेन की पहल को स्थानीय स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

सिर्फ पुल नहीं, बेहतर कनेक्टिविटी का विजन

विधायक रिकेश सेन के विजन में यह परियोजना केवल एक पुराने ब्रिज को नया बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि क्षेत्र की भविष्य की जरूरतों के अनुरूप सड़क और कनेक्टिविटी का आधारभूत ढांचा तैयार करने की सोच का हिस्सा है। जुनवानी रोड पर यातायात का दबाव बढ़ने के साथ इस मार्ग की क्षमता बढ़ाना आने वाले वर्षों के लिए भी महत्वपूर्ण होगा। नया ब्रिज बनने से आवागमन को सुगमता मिलने के साथ-साथ पुराने पुल से जुड़ी सुरक्षा संबंधी आशंकाओं को भी कम करने में मदद मिलेगी। विशेषकर बारिश के दौरान नाले में पानी बढ़ने और ओवरफ्लो की स्थिति में लोगों को होने वाली परेशानी का स्थायी समाधान मिलने की उम्मीद है।

विकास की राह में एक और मजबूत कदम

वैशाली नगर विधानसभा में सड़क, नाली, जल निकासी और नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जाती रही है। ऐसे में जुनवानी रोड का यह ब्रिज प्रोजेक्ट सुरक्षित आवागमन, बेहतर कनेक्टिविटी और बरसाती समस्या के समाधान सहित तीनों मोर्चों पर महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। विधायक रिकेश सेन ने कहा कि 10 करोड़ 67 लाख की यह स्वीकृति जुनवानी रोड के लिए महज एक निर्माण परियोजना नहीं, बल्कि पुराने ढांचे को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बदलने की दिशा में उठाया गया बड़ा कदम है। महत्वपूर्ण मार्ग की तस्वीर और यातायात व्यवस्था दोनों को नया स्वरूप देने की क्षमता रखता है।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

सीएम हेल्पलाइन से बना नेहा का विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र

रायपुर। आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए संचालित सीएम हेल्पलाइन प्रभावी साबित होते जा रही है। इसी कड़ी में दुर्ग जिले के ग्राम पंचायत पहांदा (अ) की रहने वाली श्रीमती नेहा गेन्डरे का विवाह 19 अप्रैल 2026 को संपन्न हुआ था। शादी के बाद नई गृहस्थी की शुरुआत के साथ ही उन्हें कई सरकारी योजनाओं का लाभ उठाना था और बैंक से जुड़े जरूरी काम निपटाने थे। इन सभी कामों के लिए सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज था, विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र। नेहा ने बिना किसी देरी के ग्राम पंचायत में विवाह पंजीयन के लिए अपना आवेदन जमा कर दिया पर कुछ नहीं हुआ। विवाह प्रमाण पत्र न मिलने के कारण नेहा न तो बैंक के जरूरी काम पूरे कर पा रही थीं और न ही शासन की योजनाओं का लाभ ले पा रही थीं। चक्कर काटने के बाद भी जब कोई रास्ता नहीं दिखा, तो नेहा ने 'सीएम हेल्पलाइन' पर शिकायत दर्ज करा दी। अधिकारियों ने संबंधित स्तर पर प्रक्रिया को तेजी से पूरा कराया गया और नेहा का विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र तैयार कर दिया गया। प्रमाण पत्र हाथ में आते ही नेहा के चेहरे पर खुशी छा गई। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की नई छलांग

नवा रायपुर में नारसी मोंजी कैम्पस का श्रीगणेश

- सेक्टर-18 में 40 एकड़ में आकार लेगा राष्ट्रीय स्तर का शिक्षण संस्थान,
- मुख्यमंत्री की उपस्थिति में लीज अनुबंध और भूमि रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को उच्च शिक्षा, कौशल और ज्ञान के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि और जुड़ गई। देश के प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थानों में शामिल नरसी मोंजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज अब नवा रायपुर अटल नगर में अपना कैंपस स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में आज संस्थान की स्थापना के लिए लीज अनुबंध की प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही भूमि की रजिस्ट्री भी पूर्ण कर ली गई। इसके साथ ही नवा रायपुर में एनएमआईएमएस की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि छत्तीसगढ़ के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक उच्च शिक्षा के लिए बड़े महानगरों की ओर न जाना पड़े तथा उन्हें अपने ही प्रदेश में देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के समान अवसर मिलें, इस दिशा में राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। हस्तुरूस की स्थापना इसी संकल्प की महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराकर प्रदेश की युवा शक्ति को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना सरकार की प्राथमिकता है।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, आवास एवं पर्यावरण सचिव अंकित आनंद तथा नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी चंदन कुमार उपस्थित थे।

नवा रायपुर अटल नगर के सेक्टर-18 में लगभग 40 एकड़ भूमि पर एनएमआईएमएस का आधुनिक कैंपस विकसित किया जाएगा। संस्थान का संचालन करने वाले श्री विले पार्ले केलवणी मंडल को यह भूमि 90 वर्षों की लीज पर प्रदान की गई है। राज्य मंत्रिपरिषद द्वारा 21 जनवरी 2026 को संस्थान के लिए भूमि आवंटन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई थी। इसके बाद आवश्यक प्रक्रियाओं को तेजी से आगे बढ़ाते हुए आज लीज अनुबंध और भूमि रजिस्ट्री की महत्वपूर्ण प्रक्रिया पूरी कर ली गई।

संस्थान की स्थापना की संपूर्ण प्रक्रिया आगामी सात वर्षों में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि प्रदेश के विद्यार्थियों को इसका लाभ इससे पहले ही मिलने लगेगा। दो से तीन वर्षों के भीतर पहला शैक्षणिक बैच प्रारंभ करने का लक्ष्य रखा गया है। संस्थान के पूर्ण रूप से विकसित होने पर यहां लगभग 10 हजार विद्यार्थी अध्ययन कर सकेंगे।

एनएमआईएमएस जैसे प्रतिष्ठित संस्थान की स्थापना से छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाओं का विस्तार होगा। प्रदेश के युवाओं को प्रबंधन, कौशल विकास तथा आधुनिक एवं रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों में राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा अपने ही राज्य में प्राप्त करने के अवसर उपलब्ध होंगे।

इससे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के लिए देश के बड़े महानगरों की ओर जाने की आवश्यकता कम होगी। साथ ही देश के विभिन्न हिस्सों से भी विद्यार्थी अध्ययन के लिए छत्तीसगढ़ आएंगे। इससे नवा रायपुर में विविधतापूर्ण और समृद्ध शैक्षणिक वातावरण विकसित होगा।

राष्ट्रीय स्तर के संस्थान की मौजूदगी से अकादमिक और औद्योगिक क्षेत्र के बीच सहयोग की संभावनाओं को भी विस्तार मिलेगा। विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव, नवाचार और उद्यमिता से जुड़ने के बेहतर अवसर मिलेंगे। इससे प्रदेश में विकसित हो रहे नए औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों के लिए कुशल युवाओं की उपलब्धता भी बढ़ेगी।

राज्य सरकार नवा रायपुर अटल नगर को आधुनिक अधोसंरचना और बेहतर कनेक्टिविटी से युक्त शहर के साथ ही एजुकेशन और नॉलेज हब के रूप में विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। एनएमआईएमएस जैसे प्रतिष्ठित संस्थान का यहां स्थापित होना इस परिकल्पना को नई गति देगा।

देश के विभिन्न राज्यों से विद्यार्थियों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं के आने से नवा रायपुर के शैक्षणिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक परिवेश का विस्तार होगा। इसके साथ ही शिक्षा से जुड़ी सहायक गतिविधियों, सेवाओं और रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी। इससे नवा रायपुर की पहचान देश के उभरते हुए प्रमुख शिक्षा केंद्रों में और मजबूत होगी।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की युवा-केंद्रित विकास नीति में शिक्षा, कौशल, नवाचार और रोजगार को एक-दूसरे से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। एनएमआईएमएस की स्थापना इसी सोच को धरातल पर उतारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। लीज अनुबंध और भूमि रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी होने के साथ छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा परिदृश्य में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। आने वाले वर्षों में यह संस्थान न केवल प्रदेश के हजारों युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करेगा, बल्कि नवा रायपुर को राष्ट्रीय स्तर के शिक्षा, कौशल और ज्ञान केंद्र के रूप में स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

शिक्षा के साथ रोजगार, कौशल और उद्यमिता को भी मिलेगी गति

एनएमआईएमएस की स्थापना का प्रभाव केवल उच्च शिक्षा तक सीमित नहीं रहेगा। संस्थान के माध्यम से प्रदेश में कौशल विकास, रोजगार, नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में भी नए अवसर विकसित होंगे। विद्यार्थियों, शिक्षकों, शोधकर्ताओं और उद्योग जगत के बीच बेहतर समन्वय से उद्योगों की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष मानव संसाधन तैयार करने में मदद मिलेगी।

बिहार की महिला की अम्बेडकर अस्पताल में सफल बाईपास सर्जरी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर के हार्ट, चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग में बिहार के मधुबनी जिले की 48 वर्षीय महिला की सफल कोरोनरी आर्टरी बाईपास सर्जरी (सीएबीजी) की गई। मरीज के हृदय की तीनों प्रमुख कोरोनरी धमनियों में गंभीर ब्लॉकेज था, जिसे चिकित्सकीय भाषा में ट्रिपल वेसल डिजीज कहा जाता है। साथ ही मरीज के हृदय की पंपिंग क्षमता लगभग 40 प्रतिशत थी।

विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर डॉ. कृष्णकांत साहू एवं उनकी टीम ने मरीज की बीटिंग हार्ट कोरोनरी आर्टरी बाईपास सर्जरी सफलतापूर्वक की। इस सर्जरी में बाईपास के लिए मैमरी आर्टरी का उपयोग किया गया। सामान्यत: आर्टेरियल ग्राफ्ट को लंबे समय तक प्रभावी रहने वाला ग्राफ्ट माना जाता है।

मरीज की सर्जरी मिडलाइन स्टर्नोटोमी तकनीक से की गई। इसमें सीने की मध्य हड्डी यानी स्टर्नम को सावधानीपूर्वक खोलकर हृदय तक पहुंच बनाई जाती है। कोरोनरी बाईपास सर्जरी में यह एक स्थापित एवं विश्वसनीय ऑपरेटिव तकनीक है, जिसे गोल्ड स्टैंडर्ड के रूप में जाना जाता है।

सर्जरी के बाद मरीज की रिकवरी भी अच्छी रही। ऑपरेशन के दिन ही होश में आने के बाद मरीज ने शाम को हल्का नाश्ता किया और ऑपरेशन के दूसरे दिन से ही चलना-फिरना शुरू कर दिया। अब मरीज पूरी तरह स्वस्थ है और उसे अस्पताल से डिस्चार्ज किया जा रहा है।

मरीज ने बताया कि करीब डेढ़ महीने पहले उन्हें पहली बार सीने में दर्द हुआ था। उन्होंने मधुबनी के एक अस्पताल में दिखाया, लेकिन वहां हृदय विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें गैस एवं एसिडिटी की दवाएं देकर घर भेज दिया गया। कुछ दिनों बाद दोबारा सीने में दर्द होने पर परिजन उन्हें दरभंगा के एक बड़े अस्पताल में ले गए। वहां एंजियोग्राफी कराने पर पता चला कि हृदय की तीनों प्रमुख नसों में ब्लॉकेज है तथा बाईपास सर्जरी की जरूरत होगी।

डॉ. साहू ने बताया कि चूंकि मरीज बिहार की हैं, इसलिए उन्हें आयुष्मान का लाभ छत्तीसगढ़ में मिल सकेगा या नहीं, इसकी जानकारी लेना आवश्यक था। आयुष्मान योजना कार्यालय से जानकारी लेने पर पुष्टि हुई कि बिहार के आयुष्मान कार्ड के आधार पर भी मरीज की सर्जरी अम्बेडकर अस्पताल में की जा सकती है। इसके बाद मरीज को भर्ती कर उपचार शुरू किया गया और उनकी सर्जरी कर दी गई।

वर्तमान पर फोकस करें, निरंतर सीखते रहें और समाज के लिए योगदान दें : राज्यपाल डेका

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। संत गोबिंदराम शदाणी शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय, रायपुर में वर्ष 2026-27 में नवप्रवेशित छात्राओं का दीक्षारंभ कार्यक्रम राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रतिभाशाली छात्राओं का राज्यपाल ने सम्मान भी किया।

राज्यपाल रमेन डेका ने नवप्रवेशित छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन उनके जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत है। यह अध्याय उन्हें केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं रखेगा, बल्कि एक जागरूक, सशक्त और संवेदनशील नागरिक के रूप में तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि इस महाविद्यालय में कदम रखते ही छात्राएं उस गौरवशाली परंपरा की उत्तराधिकारी बन गई हैं, जिसने दशकों से बालिकाओं को ज्ञान और शिक्षा का प्रकाश प्रदान किया है।

श्री डेका ने महिलाओं की तुलना पानी से करते हुए कहा कि जिस प्रकार पानी के बिना जीवन अधूरा है, उसी प्रकार महिलाओं के बिना समाज भी अधूरा है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि वे अपने पास जो कुछ है, उससे संतुष्ट रहें, लेकिन अपने भविष्य को लेकर निरंतर प्रयास करती रहें। जीवन में आगे बढ़ने के अनेक अवसर और क्षेत्र हैं। यदि किसी एक क्षेत्र में सफलता नहीं मिलती है तो निराश होने के बजाय अन्य अवसरों का लाभ उठाकर कर आगे बढ़ना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि जीवन सतत सीखने की प्रक्रिया है और हम जीवनभर विद्यार्थी बने रहते हैं। उन्होंने छात्राओं से कहा कि आप इंटरनेट युग के विद्यार्थी हैं, तकनीक ने ज्ञान के नए द्वार खोले हैं, लेकिन तकनीक पर पूर्ण निर्भरता उचित नहीं है। इंटरनेट से बहुत कुछ सीखा जा सकता है, लेकिन यह मानव बुद्धि और विवेक का स्थान नहीं ले सकता। जीवन को सरल, सार्थक और बेहतर बनाने के लिए ज्ञान प्राप्त करना तथा उसका विवेकपूर्ण उपयोग करना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि हमें केवल यह नहीं सोचना चाहिए कि समाज ने हमें क्या दिया, बल्कि यह भी विचार करना चाहिए कि हम समाज, अपने पड़ोस और देश की बेहतरी के लिए क्या योगदान दे सकते हैं। जीवन अनमोल है, इसलिए इसे अनावश्यक चिंताओं में व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करते हुए कठोर परिश्रम करना चाहिए। निरंतर प्रयासों से भविष्य निश्चित रूप से बेहतर बनेगा।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि शिक्षकों का योगदान अमूल्य है, जिसे पैसों में नहीं मापा जा सकता। शिक्षकों को भी अपने आचरण और व्यवहार से विद्यार्थियों के सामने ऐसा उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए, जिससे वे उनसे प्रेरणा ले सकें।

उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे अपने समाज के लिए छोटे-छोटे सकारात्मक योगदान करें। उनके ये छोटे प्रयास मिलकर समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। कार्यक्रम में महाविद्यालय की उन प्रतिभाशाली छात्राओं को राज्यपाल ने सम्मानित किया, जिन्होंने अपनी मेहनत, लगन और कुशाग्रता से महाविद्यालय का नाम रोशन किया।

इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा, संत युधिष्ठिर लाल, महाविद्यालय की प्राचार्य उषा किरण अग्रवाल, जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थीं।

तीन एकड़ जमीन से 40 लाख रुपए का कृषि उद्यम

श्रीकंचनपथ समाचार

कांकेर। विकासखंड कांकेर के ग्राम कान्हारपुरी की 57 वर्षीय महिला कृषक श्रीमती जानकी बाई नायक ने अपनी महज तीन एकड़ कृषि भूमि को सफलता की सीमा नहीं बनने दिया। कृषि यंत्रीकरण को अवसर में बदलते हुए उन्होंने वर्ष 2025-26 में कृषि यांत्रिकीकरण सबमिशन योजना के तहत लगभग 40 लाख रुपए की लागत से फार्म मशीनरी बैंक स्थापित किया, जिसमें ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, सीडड्रिल, कल्टीवेटर और स्प्रेयर सहित आधुनिक कृषि यंत्र शामिल हैं, जिन्हें आसपास के किसानों को किराये पर दिया जाता है। इसके लिए उन्होंने 35 लाख रुपए का बैंक ऋण लिया, जिसमें 14 लाख रुपए का विभागीय अनुदान प्राप्त हुआ।

श्रीमती जानकीबाई ने बताया कि उनके फार्म मशीनरी बैंक से अब तक 145 किसान लाभान्वित हो चुके हैं। कृषि यंत्र किराये पर उपलब्ध कराने से उन्हें लगभग 20 लाख रुपए की आय प्राप्त हुई, जिसमें खर्च के बाद 09 लाख 25 हजार रुपए शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ, इससे उन्होंने ऋण की दो किस्त में 06 लाख 50 हजार रुपए जमा किए हैं तथा प्राप्त आमदनी से ट्रॉली खरीदने के साथ गृह निर्माण एवं पारिवारिक जरूरतों में भी राशि का उपयोग किया गया। सफलता से उत्साहित श्रीमती जानकी बाई ने कहा कि सीमित जमीन से भी सफलता हासिल की जा सकती है। शासन का सहयोग एवं सही सोच और आधुनिक तकनीक के सहारे खेती को लाभकारी उद्यम में बदला जा सकता है।

दूरदराज के स्कूलों में नहीं थमेगी पढ़ाई स्थानीय युवा पढ़ाएंगे गणित और विज्ञान

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने दूरदराज क्षेत्रों की एकल शिक्षकीय शालाओं में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए स्थानीय स्तर पर पात्र युवाओं की सेवाएं लेने के निर्देश दिए। ऐसे युवाओं से गणित, विज्ञान जैसे कठिन विषय पढ़ाने का कार्य लिया जाएगा तथा उन्हें डीएमएफ मद से पीरियडवार मानदेय दिया जाएगा। स्वीकृत पद के विरुद्ध पद रिक्त होने पर संकुल स्तर पर भर्ती की कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने इस पूरी प्रक्रिया को आगामी एक माह में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जिले में स्वीकृत निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और स्थल चयन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जनसुविधाओं को ध्यान में रखते हुए बड़ी संख्या में निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। विभिन्न निर्माण एजेंसियों द्वारा कराए जा रहे कार्यों की संबंधित विभागों के अधिकारी भी नियमित मॉनिटरिंग करें, ताकि निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित हो।

उन्होंने कहा कि शासकीय राशि सीमित होती है और बार-बार उपलब्ध नहीं होती, इसलिए किसी भी निर्माण कार्य के लिए स्थल का चयन पूरी गंभीरता से किया जाए। बैठक में बताया गया कि जिले में वर्तमान में 230 आंगनबाड़ी भवन, 125 पीडीएस दुकान और 325 स्कूल टॉयलेट स्वीकृत किए गए हैं।

कौशल्या धाम कॉटेज का निविदा तीसरी बार निरस्त मंडल कर रहा लीज पर संचालित करने की तैयारी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। माता कौशल्या धाम, चंदखुरी में पर्यटकों की सुविधा के लिए तैयार किए गए कॉटेज के लंबे समय से बंद होने के संदर्भ में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल की ओर से स्थिति स्पष्ट की गई है। पर्यटन मंडल के अनुसार, कॉटेज के संचालन के लिए विभाग की ओर से लगातार प्रयास किए गए हैं। इसके संचालन और मेंटेनेंस के लिए तीन बार निविदा प्रक्रिया आयोजित की गई, लेकिन प्रत्येक बार न्यूनतम आवश्यक प्रस्ताव प्राप्त नहीं होने के कारण निविदा प्रक्रिया निरस्त करनी पड़ी।

माता कौशल्या धाम को प्रदेश के महत्वपूर्ण धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों में विकसित किया जा रहा है। यहां आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कॉटेज तैयार किए गए हैं। इनके संचालन एवं प्रबंधन के लिए पर्यटन मंडल द्वारा समय-समय पर निविदा प्रक्रिया अपनाई गई। पहली बार निविदा प्रक्रिया के बाद आवश्यक न्यूनतम प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुए। इसके बाद पुन: निविदा आमंत्रित की गई, लेकिन न्यूनतम आवश्यक प्रस्ताव प्राप्त नहीं हो सके। तीसरी बार भी यही स्थिति बनी। परिणामस्वरूप नियमानुसार तीनों निविदा प्रक्रियाओं को निरस्त करना पड़ा। पर्यटन मंडल द्वारा कॉटेज को पर्यटकों के उपयोग में लाने के लिए लगातार प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है।

वर्तमान में उक्त कॉटेज के लीज पर संचालन के लिए प्रस्ताव तैयार कर प्रक्रिया प्रस्तावित की जा रही है। इस प्रक्रिया के पूर्ण होने के बाद कॉटेज का संचालन शुरू करने का लक्ष्य है, जिससे माता कौशल्या धाम आने वाले पर्यटकों को ठहरने एवं खान - पान सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। माता कौशल्या धाम में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा विभाग की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने तथा कॉटेज को शीघ्र पर्यटकों के लिए उपयोगी बनाने की दिशा में वैकल्पिक प्रक्रिया अपनाई जा रही है।

निजी लैब टेस्ट की दौड़ खत्म अटल आरोग्य लैब बना सहारा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। कभी जांच के लिए निजी पैथोलॉजी सेंटरों का रुख करना, भारी खर्च उठाना और रिपोर्ट के लिए इंतजार करना आम मरीजों की मजबूरी थी। अब सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में अटल आरोग्य लैब की सुविधा इस स्थिति को बदल रही है। लगभग 134 प्रकार की विभिन्न चिकित्सा जांचों की नि:शुल्क सुविधा और डिजिटल माध्यम से रिपोर्ट उपलब्ध होने से मरीजों को समय और धन दोनों की बचत हो रही है। रायगढ़ निवासी अमन नायक इसका प्रत्यक्ष अनुभव साझा करते हुए बताते हैं कि बुखार की शिकायत के बाद वे जिला अस्पताल में रक्त जांच कराने पहुंचे। यहां अटल आरोग्य लैब के माध्यम से उन्हें आवश्यक जांच की सुविधा मिली। उन्होंने बताया कि लैब में विभिन्न प्रकार की जांचें उपलब्ध हैं और रिपोर्ट डिजिटल माध्यम से प्राप्त करने की सुविधा भी दी जा रही है।

अमन नायक के लिए यह अनुभव इसलिए भी खास रहा, क्योंकि पहले जांच कराने के दौरान उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ा था। उन्होंने बताया कि उस समय जांच के लिए इधर-उधर जाना पड़ा और रिपोर्ट मिलने में भी काफी समय लगा। वहीं अब अटल आरोग्य लैब के माध्यम से जांच प्रक्रिया आसान और सुविधाजनक हो गई है।

माशाल्लाह क्या दूधिया बदन है...

जब 70 साल के अन्नू कपूर ने तमन्ना पर कर दिया था ऐसा कमेंट, जमकर हुई थी ट्रोलिंग

बॉलीवुड अभिनेता अन्नू कपूर अपने बेबाक और बेधड़क बयानों के लिए अक्सर चर्चा में रहते हैं। पिछले साल अभिनेत्री तमन्ना भाटिया को लेकर दिए गए उनके एक बयान ने सोशल मीडिया पर खूब विवाद खड़ा किया था।

अन्नू कपूर ने एक पॉडकास्ट में तमन्ना के लिए 'दूधिया बदन' शब्द का इस्तेमाल किया था। इसके बाद उन्हें सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया गया। हालांकि, बाद में अभिनेता ने अपने बयान को लेकर सफाई देते हुए आलोचकों की सोच पर ही सवाल खड़े कर दिए थे।

तमन्ना को लेकर क्या बोले थे अन्नू कपूर?

पिछले साल एक पॉडकास्ट के दौरान अन्नू कपूर से पूछा गया था कि क्या उन्हें तमन्ना पसंद हैं? इसपर कपूर ने कहा था, आहा, माशाल्लाह क्या दूधिया बदन है। उनके इस बयान पर हंगामा हुआ था और एक्टर को इसके लिए काफी ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ा था।

हालांकि बाद में एक इंटरव्यू में अन्नू कपूर ने अपने बयान का बचाव करते हुए कहा कि लोगों को हिंदी में कही गई बात ज्यादा चुभती है, जबकि अंग्रेजी के शब्दों को वे आसानी से स्वीकार कर लेते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीयों ने गुलामी सही है ना... इसलिए अंग्रेजी में गाली दे दूं तो वो अच्छी लग जाती है, उसमें कोई प्रॉब्लम नहीं है, लेकिन हिंदी में गाली दे दूं तो चुभ जाती है। गुलामों की औलाद हैं ना। गुलामी चित्त से अभी गई नहीं है। 15 अगस्त 1947 को आजादी मिली, जो स्वतंत्रा की प्राप्ति हुई। वो स्वतंत्रता...आप समझ लो। उन्होंने कहा, लोगों को एक तरह की पॉलिटिकल फ्रीडम मिली है। अभी भी भारतीय मानसिक रूप से गुलाम हैं इसलिए मिल्की बॉडी कहने पर कोई उन्हें कोई प्रॉब्लम नहीं है, लेकिन किसी स्त्री को मिल्की बॉडी कहो तो चलेगा। मैंने तो उनसे कहा था कि अगर आपको बुरा लगा हो तो मैं माफी मांगता हूं।

'सदा सुहागन' वाली बात पर भी हुई थी चर्चा

बातचीत के दौरान अन्नू कपूर ने तमन्ना के लिए 'सदा सुहागन' रहने की बात कह दी थी। जब उन्हें याद दिलाया गया कि तमन्ना शादीशुदा नहीं हैं, तो उन्होंने अपने शब्दों को बदलते हुए 'सदा सौभाग्यवती भव' कहने की बात कही।

इमरान ने खोला राज, क्यों आवारापन 2 को मानते हैं अपने करियर की खास फिल्म?

अभिनेता इमरान हाशमी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'आवारापन 2' की सफलता का जश्न मना रहे हैं। फिल्म को मिल रही दर्शकों की प्रतिक्रिया से उत्साहित इमरान ने इसे अपने करियर की अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्म बताया है। उन्होंने फिल्म की सफलता को एक दुर्लभ और अभूतपूर्व उपलब्धि करार दिया। इमरान हाशमी ने सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जिन पर कलाकार काम करते हैं, जबकि कुछ फिल्मों का हिस्सा बनना गर्व की बात होती है। उनके मुताबिक, 'आवारापन 2' ऐसी ही फिल्म है।

खास बात यह है कि 'आवारापन 2' करीब दो दशक पहले रिलीज हुई 'आवारापन' का सीधा सीक्वल है। साल 2007 में आई पहली फिल्म रिलीज के समय बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई थी, लेकिन समय के साथ इसे दर्शकों का प्यार मिला और फिल्म एक कल्ट फॉलोइंग बनाने में कामयाब रही। इमरान ने कहा कि जिस फिल्म को करीब दो दशक पहले दर्शक नहीं मिले थे, उसका सीक्वल आज बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रहा है। अभिनेता ने फिल्म के प्रोड्यूसर विशेष भट्ट के विजन और उनके विश्वास की भी जमकर तारीफ की। इमरान के मुताबिक, विशेष ने 'आवारापन' की दुनिया को तैयार किया और उनके विजन ने फिल्म को आकार देने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने फिल्म की शानदार कास्ट, संगीत और क्रिएटिव टीम का हिस्सा बनने को भी अपने लिए खास अनुभव बताया। साथ ही उन्होंने दर्शकों से अपील की कि वे फिल्म को थिएटर में जाकर जरूर देखें।

'आवारापन 2' ने बॉक्स ऑफिस पर भी मजबूत शुरुआत की है। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के मुताबिक, फिल्म ने शुक्रवार को 23.40 करोड़ रुपये की ओपनिंग

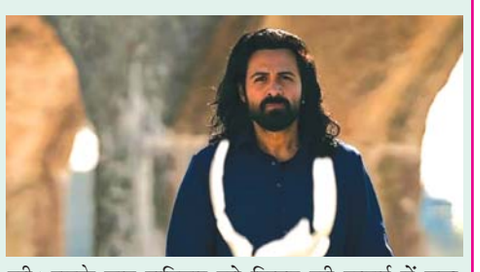

की। इसके बाद शनिवार को फिल्म की कमाई में बड़ा उछाल आया और इसने 34.09 करोड़ रुपये का कारोबार किया। रविवार को फिल्म ने 26.82 करोड़ रुपये कमाए। इस तरह भारत में फिल्म का ओपनिंग वीकेंड कलेक्शन 84.31 करोड़ रुपये नेट पहुंच गया। फिल्म के पहले दिन का कलेक्शन एक और वजह से खास रहा। शुक्रवार की कमाई ने 2007 में रिलीज हुई पहली 'आवारापन' की पूरी लाइफटाइम कमाई को ही पीछे छोड़ दिया।

मैं हमेशा कहती हूं कि अगर रोना है तो तुम रो सकते हो...

बेटों को करीना देती हैं ये खास सीख, हर पेरेंट्स को समझना जरूरी

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपनी बेबाक सोच के लिए भी जानी जाती हैं। हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'Daayra' के ट्रेलर लॉन्च पर करीना ने पुरुषों और लड़कों के भावनात्मक पक्ष को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि संवेदनशील होना सिर्फ महिलाओं की पहचान नहीं है। लड़कों और पुरुषों को भी अपनी भावनाएं जाहिर करने और जरूरत पड़ने पर रोने में झिझकना नहीं चाहिए।

'लड़कों को भी अपने इमोशंस जाहिर करने चाहिए'

करीना ने कहा कि समाज में अक्सर यह सोच रहती है कि लड़कियां ज्यादा संवेदनशील होती हैं, लेकिन यह धारणा सही नहीं है। उनके मुताबिक आज के लड़कों को भी अपनी भावनाओं को स्वीकार करने और उन्हें खुलकर व्यक्त करने का अधिकार होना चाहिए।

एक मां के तौर पर करीना अपने दोनों बेटों को भी यही सीख देने की कोशिश करती हैं। उन्होंने कहा कि अगर उनका बेटा रोना चाहता है, तो उसे रोना चाहिए, क्योंकि भावनाओं को महसूस करना और उन्हें समझना भी जीवन का जरूरी हिस्सा है। करीना ने बताया कि दो बेटों की मां होने के नाते वह उनकी सुरक्षा और भविष्य को लेकर चिंतित रहती हैं। लेकिन उनकी सबसे बड़ी प्रार्थना यही है कि उनके बेटे दयालु और संवेदनशील इंसान बनें।

उनका मानना है कि लड़कों को अपनी भावनाएं दबाने के बजाय उन्हें समझना चाहिए। बच्चों को अपने इमोशंस महसूस करने और व्यक्त करने की आजादी देने से उनके व्यक्तित्व का बेहतर विकास हो सकता है।

'Daayra' में पुलिस अफसर के किरदार में दिखेंगी करीना

वर्कफ्रंट की बात करें तो करीना जल्द ही फिल्म 'Daayra' में नजर आएंगी। फिल्म में उनके साथ पृथ्वीराज सुकुमारन मुख्य भूमिका में हैं। दोनों कलाकार पुलिस अधिकारियों के किरदार में नजर आएंगे, जो जुवेनाइल क्राइम की पेचीदा दुनिया और न्याय से जुड़े सवालों के बीच आमने-सामने होते हैं।

मेघना गुलजार के निर्देशन में बनी यह फिल्म 18 सितंबर को रिलीज होने वाली है। मेकर्स के मुताबिक, कहानी सच्ची घटनाओं से प्रेरित है और अपराध के बाद शुरू होने वाली जांच के जरिए सही और गलत के बीच की जटिल रेखा को सामने लाती है।

मुझे हमेशा यह सुकून मिलता था कि...

अनुपम खेर ने हटाईं अपनी आइकॉनिक मूंछें, नए लुक ने फैंस को किया हैरान

बॉलीवुड एक्टर अनुपम खेर अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स में से एक में नए अवतार में नजर आने वाले हैं। इस किरदार के लिए एक्सीरियंस एक्टर को अपनी पहचान बन चुकी मूंछों को अलविदा कहना पड़ा। हालांकि उनके लिए मूंछें हटाना आसान नहीं था, क्योंकि इनसे उन्हें हमेशा एक तरह का सुकून मिलता था, लेकिन अब अनुपम खेर अपने नए लुक का मजा ले रहे हैं और उन्हें यह बदलाव पसंद आ रहा है।

अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, मैं शायद ही कभी अपनी मूंछें हटाता हूं। इनसे मुझे हमेशा यह सुकून मिलता था कि असल में, मेरे बाल हैं!! लेकिन एक फिल्म के लिए नए लुक की जरूरत थी, इसलिए मूंछों की कुर्बानी देनी पड़ी। और मुझे मानना होगा... मुझे बिना मूंछों वाली ये तस्वीरें काफी पसंद आ रही हैं! आप क्या सोचते हैं? क्या मूंछों की वापसी होनी चाहिए या उन्हें लंबी छुट्टी पर रहने देना चाहिए? इन तस्वीरों में एक्टर अपना नया लुक दिखाते हुए नजर आ रहे हैं। हालांकि अनुपम खेर ने यह नहीं बताया कि उन्होंने किस फिल्म के लिए अपनी मूंछें हटाई हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि यह नया लुक उनकी 555वीं फिल्म के लिए हो सकता है। इससे पहले एक्टर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्टर शेयर करते हुए अपनी खास 555वीं फिल्म की घोषणा की थी। हालांकि, उन्होंने फिल्म का नाम, कास्ट या प्रोजेक्ट के बारे में कोई जानकारी नहीं दी और फैंस से सही समय का इंतजार करने को कहा।

यह घोषणा करते हुए खेर ने लिखा कि वह कुछ

समय से इस खबर को अपने तक ही सीमित रखे हुए थे और इसे सही समय आने पर ही बताना चाहते थे। उन्होंने लिखा, घोषणा!! कुछ बातें कुछ समय तक दिल के करीब रखना ही बेहतर होता है!! क्योंकि सही समय पर उन्हें बताने की खुशी ही कुछ और होती है। इसके बाद खेर ने बताया कि आने वाला प्रोजेक्ट उनकी 555वीं फिल्म होगी।

उन्होंने फैंस से यह भी कहा कि जब तक और जानकारी नहीं दी जाती, तब तक वे भी उनके साथ इस सस्पेंस का मजा लें। एक्टर ने आगे कहा, तो, अभी के लिए, मैं बस इतना ही कहूंगा: मुझे अपनी खास 555वीं फिल्म की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। जानकारी सही समय पर दी जाएगी। तब तक, कृपया मुझे भी इस सस्पेंस का मजा लेने दें! जय हो।

न महल-न रेगिस्तान...

आखिर अचानक इतना फेमस क्यों हुआ राजस्थान का यह शहर?

राजस्थान का नाम आते ही जयपुर के महल, उदयपुर की झीलें और जैसलमेर का रेगिस्तान याद आता है। अब घरेलू पर्यटकों की पसंद में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। जनवरी से जून 2026 के बीच राजस्थान के सीकर जिले ने घरेलू पर्यटकों की संख्या के मामले में जयपुर जैसे बड़े पर्यटन केंद्र को पीछे छोड़ दिया है।

राजस्थान में बदला टूरिज्म का ट्रेंड; जयपुर-जैसलमेर नहीं, य जगहे बनी टूरिस्ट की पहली पसंद

6 महीने में पहुंचे करीब 1.5 करोड़ पर्यटक

आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से जून 2026 के बीच सीकर में करीब 1.5 करोड़ घरेलू पर्यटक पहुंचे। वहीं जयपुर में इसी अवधि के दौरान लगभग 81 लाख घरेलू पर्यटकों की विजिट दर्ज हुई। सीकर के बाद चित्तौड़गढ़ में करीब 1.3 करोड़, जैसलमेर में 1.1 करोड़ और अजमेर में लगभग 99 लाख घरेलू पर्यटक पहुंचे। आंकड़ा बताता है कि राजस्थान में घूमने वालों की पसंद पारंपरिक टूरिस्ट शहरों से आगे बढ़ रही है।

खाटू श्यामजी बना सबसे बड़ा आकर्षण

सीकर की बढ़ती लोकप्रियता के पीछे सबसे बड़ा कारण खाटू श्यामजी मंदिर माना जा रहा है। इसके अलावा जीण माता मंदिर और शाकंभरी माता मंदिर भी धार्मिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र हैं। खाटू श्यामजी की वजह से सीकर में लगातार पर्यटकों की आवाजाही बनी रहती है और इसका फायदा आसपास के पर्यटन कारोबार को भी मिल रहा है।

मंदिरों से आगे भी बहुत कुछ

जिले में स्थित हर्ष पर्वत प्रकृति और इतिहास प्रेमियों को आकर्षित करता है। पहाड़ी क्षेत्र में मौजूद करीब 1,200 साल पुराने शिव मंदिर के साथ यहां प्राकृतिक खूबसूरती भी देखने को मिलती है। प्रशासन हर्ष पर्वत को इको-टूरिज्म के रूप में विकसित करने की दिशा में काम कर रहा है। धार्मिक पर्यटन के साथ नेचर और एडवेंचर टूरिज्म को भी बढ़ावा मिल सकता है।

डेस्टिनेशन वेडिंग ने भी बढ़ाई चमक

खाटू श्यामजी में धार्मिक माहौल के बीच डेस्टिनेशन वेडिंग का चलन भी बढ़ रहा है। इससे होटल, रिसॉर्ट, बैंक्वेट और अन्य पर्यटन कारोबार के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं। अगर सड़क, होटल और अन्य सुविधाओं को और बेहतर किया जाता है, तो सीकर राजस्थान का बड़ा डोमेस्टिक टूरिज्म हब बन सकता है।

'स्ट्रीट फाइटर' के ट्रेलर में विद्युत जामवाल ने दिखाया एक्शन, मंत्रमुग्ध हुए फैंस, दे रहे ऐसी प्रतिक्रिया

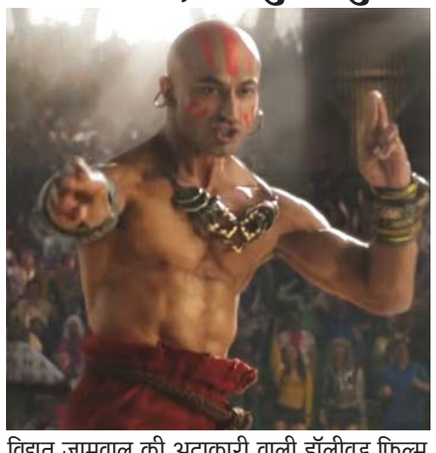

विद्युत जामवाल की अदाकारी वाली हॉलीवुड फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' का ट्रेलर रिलीज हुआ है। इसमें अभिनेता ने शानदार एक्शन किए हैं। फैंस उनके एक्शन पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

विद्युत जामवाल हॉलीवुड में अपनी पहचान बना रहे हैं। वह अपकमिंग एक्शन फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' में वीडियो गेम कैरेक्टर 'धलसिम' का रोल निभा रहे हैं। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का नया ट्रेलर रिलीज किया है। ट्रेलर को यूजर्स पसंद कर रहे हैं। विद्युत जामवाल के फैंस ट्रेलर में उनके सीन को सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं और उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं।

फैंस कर रहे विद्युत की तारीफ

किताओ सकुराई के निर्देशन में बनी इस लाइव-एक्शन फिल्म में जामवाल, कैपकॉम की मशहूर वीडियो-गेम फ्रेंचाइजी के योग मास्टर 'धलसिम' का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म के ट्रेलर में दर्शकों को एक्टर का एक्शन अवतार करीब से देखने को मिला है। इसमें ऐसे कॉम्बैट सीन भी शामिल हैं, जो उनकी फुर्ती और एक्शन को दिखाते हैं। यह किरदार अपने अनोखे योग-आधारित फाइटिंग स्टाइल के लिए मशहूर है। फैंस अभिनेता की मार्शल आर्ट्स स्किल्स और इस आइकॉनिक रोल के लिए उनकी काबिलियत की तारीफ कर रहे हैं।

धलसिम को लेकर फैंस हुए उत्साहित

जब धलसिम का किरदार निभाने के लिए विद्युत को कास्ट करने की घोषणा हुई, तो लोगों में इसे लेकर काफी दिलचस्पी पैदा हुई। मार्शल आर्ट्स और एक्शन फिल्मों में उनके बैकग्राउंड को देखते हुए, फैंस उन्हें फिल्म में एक्शन करते हुए देखने के लिए उत्साहित थे। इस साल की शुरुआत में 'स्ट्रीट फाइटर' का पहला टीजर और टीजर रिलीज हुआ। इसमें विद्युत के किरदार की झलक मिली थी। वहीं नए क्लिप में उन्हें फाइटिंग रिंग में अपने जबरदस्त मूव्स दिखाते हुए देखा जा सकता है। बॉलीवुड की कई फिल्मों में अपना एक्शन दिखा चुके अभिनेता विद्युत जामवाल 'स्ट्रीट फाइटर' से हॉलीवुड में डेब्यू कर रहे हैं। जामवाल ने कलारीपयट्टू में जबरदस्त ट्रेनिंग ली है।

साउथ सिनेमा

'स्ट्रीट फाइटर' की कास्ट और रिलीज की तारीख 'स्ट्रीट फाइटर', जिसे 1987 में लॉन्च किया गया था, फाइटिंग गेम्स की एक सीरीज है। यह अलग-अलग तरह के मार्शल आर्टिस्ट के बीच जबरदस्त लड़ाई पर आधारित है। फिल्म में एंड्रयू कोजी, नोआ सेंटिनियो, कैलिना लियांग और डेविड डस्टमालचियन हैं। इनके अलावा फिल्म में कोडी रोड्स, जेसन मोमोआ, कर्टिस '50 सेंट' जैक्सन और ओरविले पेक अहम किरदारों में हैं। यह फिल्म भारत और इंटरनेशनल लेवल पर 16 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

खास-खबर

स्वास्थ्य विभाग की ई-ऑफिस संचालन में उल्लेखनीय उपलब्धि

रायपुर। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने ई-ऑफिस के माध्यम से नस्तियों के त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण में मई, जून एवं जुलाई 2026 की तिमाही में छत्तीसगढ़ मंत्रालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही जुलाई माह में भी विभाग ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी उत्कृष्ट कार्यप्रणाली को निरंतर बनाए रखा है। इस उपलब्धि पर विभाग को सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा प्रशंसा-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया है। माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस उपलब्धि के लिए विभाग के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता टीम भावना, कार्य के प्रति प्रतिबद्धता, ई-ऑफिस के प्रभावी उपयोग तथा समयबद्ध नस्ती निराकरण का परिणाम है।

योजनाओं का लाभ अंतिम किसान तक पहुंचाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य शाकम्भरी बोर्ड के अध्यक्ष राजेंद्र नायक ने कहा है कि सरकार की प्राथमिकता कृषि एवं उद्यानिकी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़े गरीब, पिछड़े, लघु और सीमांत किसानों तक पहुंचाना है। इसके लिए कृषि एवं संबद्ध विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने विशेष रूप से लघु एवं सीमांत किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए कहा कि यही शाकम्भरी बोर्ड के गठन का मूल उद्देश्य है। नवा रायपुर स्थित उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी संचालनालय में सोमवार को आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य शाकम्भरी बोर्ड के संचालक मंडल की पहली बैठक को संबोधित करते हुए नायक ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को किसानों की आय बढ़ाने के लिए साझा कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

ढलानों पर बनेगी जल-संरक्षण की राह, संवरेंगे खेत और गांव

रायपुर। वर्षा जल के बेहतर प्रबंधन, मिट्टी के कटाव को रोकने और ग्रामीण क्षेत्रों में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में रायगढ़ जिले में स्टैगर्ड कंटूर ट्रेंच एवं कंटूर ट्रेंच निर्माण के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। ढलान वाले क्षेत्रों में किए जा रहे ये कार्य वर्षा जल के तेज बहाव को नियंत्रित कर उसे भूमि में समाहित करने में सहायक होंगे, जिससे खेतों की नमी और भूमि की उत्पादकता को बनाए रखने में मदद मिलेगी। जिले में कुल 16 हजार 873 ट्रेंच निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जो लगभग 38.27 एकड़ क्षेत्र में निर्मित किए जाएंगे। इन कार्यों के लिए 52.55 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। रायगढ़, खरसिया और तमनार विकासखंड की विभिन्न ग्राम पंचायतों में कुल 28 कार्य स्वीकृत किए गए हैं।

विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता और विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाना सर्वोच्च प्राथमिकता - राज्यपाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने प्रदेश के विभिन्न शासकीय विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों की बैठक लेकर विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता, विद्यार्थियों की संख्या, रिक्त पदों की पूर्ति, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन तथा नवाचार एवं स्टार्टअप गतिविधियों सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की विस्तृत समीक्षा की।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में सीटों के अनुपात में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली और इस दिशा में प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में जहां भी व्यवस्थागत कमियां हैं, उन्हें दूर किया जाए तथा शैक्षणिक गुणवत्ता में निरंतर सुधार किया जाए।

नैक-एनआईआरएफ रैंकिंग सुधार के लिए रोडमैप बनाएं, रिक्त पद शीघ्र भरें और नवाचार-स्टार्टअप को दें बढ़ावा

उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए सभी विश्वविद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों को अपने आसपास के गांवों को गोद लेकर वहां इनोवेशन एवं स्टार्टअप गतिविधियों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में उपलब्ध ज्ञान, विशेषज्ञता और संसाधनों का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचना चाहिए। विद्यार्थियों को स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए नवाचार एवं उद्यमिता से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने 'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत' संकल्प अभियान में युवाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने तथा विद्यार्थियों को खेलकूद के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा व्यवस्था को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं लीक-प्रूफ बनाने पर विशेष जोर देते हुए इसके लिए सभी विश्वविद्यालयों में परीक्षा नियंत्रकों की आधिकारिक नियुक्ति सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने आयुष विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित निजी मेडिकल कॉलेजों की व्यवस्थाओं पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए, ताकि इन संस्थानों का संचालन निर्धारित मानकों एवं नियमों के अनुरूप सुनिश्चित हो। बैठक में राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, कृषि उत्पादन आयुक्त एवं सचिव कृषि विभाग डॉ. सिद्धार्थ कोमल परदेशी, सहित संबंधित अधिकारी एवं प्रदेश के विभिन्न शासकीय विश्वविद्यालयों के कुलसचिव उपस्थित थे।

विश्वविद्यालयों में रिक्त पदों को शीघ्र भरने के निर्देश दिए

राज्यपाल डेका ने विश्वविद्यालयों में रिक्त पदों की जानकारी लेते हुए उन्हें शीघ्र भरने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया में नियमानुसार स्थानीय योग्य एवं प्रतिभाशाली लोगों को प्राथमिकता देने के प्रयास किए जाएं, ताकि स्थानीय प्रतिभाओं को अवसर मिल सके। श्री डेका ने विश्वविद्यालयों की नैक (NAAC) एवं एनआईआरएफ(NIRF) रैंकिंग की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालय अपनी रैंकिंग में सुधार के लिए स्पष्ट रोडमैप तैयार करें।

छत्तीसगढ़ में यूसीसी पर व्यापक मंथन बस्तर से सरगुजा तक की उठी आवाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का सर्वसमावेशी प्रारूप तैयार करने की दिशा में प्रक्रिया तेज हो गई है। राजधानी रायपुर के न्यू सर्किट हाउस में यूसीसी समिति के समक्ष बस्तर से लेकर सरगुजा तक के प्रतिनिधियों की आवाज गूंजी। इस परिचर्चा में सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष और प्रतिनिधियों, अध्यक्ष राज्य महिला आयोग और अध्यक्ष राज्य फिल्म विकास निगम ने विवाह, तलाक, भरण-पोषण और उत्तराधिकार जैसे संवेदनशील विषयों पर अपने महत्वपूर्ण सुझाव रखे।

समिति के सदस्यों सेवानिवृत्त आईएएस एम. के. राउत, वरिष्ठ अधिवक्ता मोहन पवार, सेवानिवृत्त ज्योति रानी सिंह और सदस्य सचिव श्याम धावड़े ने सभी सुझावों को ध्यानपूर्वक सुना और आश्वस्त किया कि राज्य की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक ताने-बाने का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

इस दौरान कंवर, गोंड, बैगा और उरांव जैसी प्रमुख जनजातियों के प्रतिनिधियों ने अपनी बात रखते हुए आदिवासियों की सदियों पुरानी रूढ़िगत प्रथाओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक विशिष्टता को नए कानून में पूर्ण संरक्षण देने की बात कही। इसके साथ ही विवाह पंजीयन, संपत्ति के अधिकार और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे व्यावहारिक मुद्दों पर भी समिति के साथ गंभीर विचार-विमर्श हुआ। महिला अधिकारों और सामाजिक सुरक्षा के मुद्दे पर चर्चा करते हुए राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने जनजातीय परंपराओं के संरक्षण के साथ-साथ सकारात्मक सामाजिक बदलावों का समर्थन किया। उन्होंने मुस्लिम महिलाओं के भरण-पोषण के अधिकार, राष्ट्रीय एकता को मजबूती देने और धर्म परिवर्तन पर रोक लगाने के संदर्भ में यूसीसी की आवश्यकता को रेखांकित किया। वहीं, राज्य फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-कला और जनजातीय धरोहर को अक्षुण्ण रखने का सुझाव देते हुए कहा कि वैवाहिक और संपत्ति अधिकारों में समानता से समाज के अंतिम छोर पर खड़ी महिलाओं को नया आत्मविश्वास और कानूनी सुरक्षा मिलेगी। संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत समिति प्रदेशभर में व्यापक जन-संवाद चला रही है। प्रस्तावित संहिता का मूल उद्देश्य धर्म या समुदाय के भेदभाव से परे हटकर सभी नागरिकों के लिए एक समान विधिक ढांचा तैयार करना है।

इसके तहत विवाह एवं तलाक,भरण - पोषण,उत्तराधिकार एवं विरासत तथा लिव इन संबंध में विचार और सुझावों पर समिति मंथन करेगी। वर्तमान में समिति जिला स्तरीय फील्ड स्टडी, ऑनलाइन पोर्टल और प्रत्यक्ष बैठकों के माध्यम से आम जनता, कानूनविदों और सामाजिक संगठनों की राय जुटा रही है, ताकि छत्तीसगढ़ में एक पारदर्शी, न्यायसंगत और जन-हितैषी समान नागरिक संहिता लागू की जा सके।

तीन दिव्यांगजनों की राह हुई आसान, मिली ट्राईसिकल बोले 'धन्यवाद विष्णु भैया'

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। संयुक्त जिला कार्यालय बालोद में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में आज संवेदनशील प्रशासन और त्वरित जनसमस्या समाधान की सुखद तस्वीर देखने को मिली। जनदर्शन में पहुंचे तीन दिव्यांगजनों की आवश्यकता को देखते हुए कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने उन्हें मौके पर ही ट्राईसिकल प्रदान की।

शासन की इस त्वरित सहायता से अब इन दिव्यांगजनों के लिए आवागमन आसान होने के साथ ही उनके रोजमर्रा के काम और आजीविका से जुड़ी गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। सहायता मिलने पर लाभार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे और उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भावुक होकर कहा धन्यवाद विष्णु भैया।

जनदर्शन में दिव्यांगजनों की स्थिति का परीक्षण करने के बाद उनकी दिव्यांगता के प्रतिशत के आधार पर सहायता उपलब्ध कराई गई। डौण्डीलोहारा विकासखंड के ग्राम मनकी सा निवासी टुमेश्वरी और ग्राम कोबा निवासी शशिकला को 80 प्रतिशत दिव्यांगता होने पर आधुनिक बैटरी चालित ट्राईसिकल प्रदान की गई।

वहीं बालोद विकासखंड के ग्राम तमोरा निवासी राजेश कुमार को 50 प्रतिशत दिव्यांगता के आधार पर सामान्य ट्राईसिकल प्रदान की गई।

सुकमा कलेक्ट्रेट में हरित क्रांतिः प्रशासनिक अधिकारियों ने नारियल के पौधे रोपकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। कलेक्ट्रेट परिसर को हरा-भरा, आकर्षक और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में मंगलवार को एक विशेष पौधरोपण अभियान चलाया गया। इस पहल के तहत जिले के शीर्ष प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने एक साथ मिलकर कलेक्ट्रेट परिसर में नारियल के फ्लदार पौधे रोपे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शासकीय परिसरों में हरित क्षेत्र को बढ़ावा देना और आम नागरिकों को प्रकृति के संरक्षण व संवर्धन के प्रति जागरूक करना है।

कार्यक्रम में जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कलेक्टर अमित कुमार, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) मुकुंद ठाकुर तथा पुलिस अधीक्षक (एसपी) मयंक गुर्जर सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने अपने हाथों से पौधरोपण किया।

इस अभियान के लिए सभी उन्नत और उच्च गुणवत्ता वाले नारियल के पौधे उद्यानिकी विभाग की ओर से विशेष रूप से उपलब्ध कराए गए थे।

अधिकारियों ने इस अवसर पर कहा कि परिसर की सुंदरता बढ़ाने और पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने के लिए फ्लदार वृक्षारोपण बेहद प्रभावी कदम है। कलेक्ट्रेट परिसर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के उद्देश्य से ऐसे हरित अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

धमतरी में नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वर्गीय छोटेलाल श्रीवास्तव स्नातकोत्तर महाविद्यालय में युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से बचाने और कुपोषण-मुक्त स्वस्थ भारत के निर्माण का संदेश देने के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो, रायपुर द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियान' और 'राष्ट्रीय पोषण माह' को समर्पित रहा, जिसमें कॉलेज के युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और स्वस्थ तथा जिम्मेदार जीवन जीने का संकल्प उठाया।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष ने ज्ञानवर्धक चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन कर किया। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि युवावस्था जीवन की दिशा तय करने का सबसे स्वर्णिम पड़ाव है। युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर अपनी ऊर्जा, क्षमता और प्रतिभा का उपयोग शिक्षा, खेल, नवाचार और राष्ट्र निर्माण में करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति के शरीर को ही नहीं तोड़ता, बल्कि उसके परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी अंधकार में धकेल देता है। वर्ष 2047 के विकसित भारत का सपना तभी सच होगा जब देश की युवा शक्ति स्वस्थ, अनुशासित और जागरूक होगी।

कुपोषण के खिलाफ जंग पर बात करते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी ने पोषण के महत्व और विभागीय योजनाओं पर प्रकाश डाला।

उन्होंने विद्यार्थियों को स्टंटिंग, वेस्टिंग और कम वजन जैसी समस्याओं से अवगत कराते हुए पोषण के पांच मुख्य सूत्रों, जीवन के पहले 1000 सुनहरे दिन, पौष्टिक आहार, एनीमिया रोकथाम, डायरिया प्रबंधन और स्वच्छता को जीवन में अपनाने की अपील की।

इस अवसर पर नशामुक्ति, पोषण और स्वच्छता का संदेश देने के लिए रंगोली और चित्रकला प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं ने अपनी कलात्मक अभिव्यक्तियों से स्वस्थ जीवनशैली का सुंदर दृश्य प्रस्तुत किया।

नशामुक्ति और पोषण का संदेश लेकर युवाओं ने लिया स्वस्थ एवं जिम्मेदार जीवन का संकल्प

जागरूकता कार्यक्रम में नशे के दुष्परिणामों, संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली की दी जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा पोषण के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से स्वर्गीय छोटेलाल श्रीवास्तव स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धमतरी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। केंद्रीय संचार ब्यूरो, रायपुर, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारतदृसंकल्प अभियान' एवं 'राष्ट्रीय पोषण माह' के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में चित्र प्रदर्शनी, रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं को नशामुक्ति, पोषण, स्वच्छता और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया गया।

प्रतियोगिताओं से दिया जागरूकता का संदेश

चित्र प्रदर्शनी में नशीले पदार्थों के शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों के साथ पोषण, स्वच्छता और स्वस्थ जीवनशैली से संबंधित संदेश प्रदर्शित किए गए। विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर नशामुक्त जीवन तथा संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में नशामुक्ति एवं सामाजिक जागरूकता विषय पर रंगोली और चित्रकला प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक अभिव्यक्तियों के माध्यम से नशे के विरुद्ध जन-जागरूकता, स्वस्थ जीवन और सकारात्मक सोच का संदेश दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सर्वा ने चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार पाठक ने की। जिला पंचायत अध्यक्ष सर्वा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवा अवस्था जीवन की दिशा और भविष्य के निर्माण का महत्वपूर्ण पड़ाव है। युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर अपनी ऊर्जा, क्षमता और प्रतिभा का उपयोग शिक्षा, कौशल विकास, खेल, नवाचार तथा समाज एवं राष्ट्र निर्माण में करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित नहीं करता, बल्कि परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसलिए नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए युवाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश की युवा शक्ति स्वस्थ, शिक्षित, अनुशासित और जिम्मेदार होगी। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं नशे से दूर रहने के साथ अपने आसपास के लोगों को भी नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने नशामुक्त समाज के निर्माण में महिलाओं और युवतियों की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताते हुए सकारात्मक सामाजिक वातावरण तैयार करने में सक्रिय सहभागिता की अपील की।

पोषण के पांच सूत्रों को अपनाने की अपील महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी श्रीमती उषा किरण चंद्राकर ने राष्ट्रीय पोषण माह के उद्देश्य और विभागीय सेवाओं की जानकारी दी। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों एवं हितग्राहियों को उपलब्ध कराए जाने वाले संतुलित एवं पौष्टिक आहार, निर्धारित मेन्यू के अनुसार पोषण आहार वितरण तथा रेडी-टू-ईट आहार के संबंध में जानकारी दी।

उन्होंने कुपोषण के प्रमुख प्रकारोंकृस्टंटिंग, वेस्टिंग और कम वजनकृके बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया तथा पोषण के पांच सूत्रों को अपनाने की अपील की। इनमें जीवन के पहले 1000 सुनहरे दिन, पौष्टिक आहार, एनीमिया की रोकथाम, डायरिया का प्रबंधन तथा स्वच्छ जल एवं स्वच्छता शामिल हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और सुपोषित बचपन ही मजबूत भविष्य की नींव है।

नेतानार में हर घर जल योजना को मिली रफ्तार

सुकमा। कलेक्टर अमित कुमार के मार्गदर्शन में जिले में हर घर जल योजना को प्रभावी रूप से संचालित करते हुए ग्रामीण परिवारों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने का अभियान निरंतर जारी है। इसी कड़ी में ग्राम पंचायत नेतानार में घर-घर पहुंच रहे पेयजल की गुणवत्ता की जांच की गई। टीम ने विभिन्न स्थानों से पानी के नमूने लेकर निर्धारित मानकों के अनुरूप परीक्षण किया और ग्रामीणों को सुरक्षित पेयजल के उपयोग एवं जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया। पेयजल गुणवत्ता जांच अभियान में जिला समन्वयक अभिषेक मिंज एवं दुर्गेश साहू सहित लैब टेक्नीशियन एवं केमिस्ट मनेश साहू शामिल रहे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को बताया कि प्रत्येक घर तक नल से पानी पहुंचाना ही योजना का अंतिम उद्देश्य नहीं है।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

मारपीट और धारदार हथियार लहराने के मामले में 9 आरोपी गिरफ्तार

कोंडागांव। कोंडागांव जिले के केशकाल थाना पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा है। इनमें फॉरेस्ट चौकीदार से मारपीट करने वाले 8 आरोपी तथा सार्वजनिक स्थान पर धारदार हथियार लहराकर धमकी देने वाला एक आरोपी शामिल है। सुरडोंगर निवासी प्रार्थी सिद्धार्थ यादव ने थाना केशकाल में लिखित शिकायत दर्ज कराई। उन्हें रोकने पर चारामा निवासी आरोपियों ने एक राय होकर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्का, लात तथा कड़े से मारपीट की। आरोप है कि कुछ आरोपियों ने भारी वस्तु से हमला कर राजेश यादव के सिर में गंभीर चोट पहुंचाई, जिससे खून निकलने लगा। दूसरे मामले में, पुलिस को सूचना मिली कि केशकाल के उपरपारा बिसेन बाड़ी में एक व्यक्ति सार्वजनिक स्थान पर धारदार हथियार लहराते हुए अकरम हुसैन को गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दे रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घेराबंदी कर इमामुद्दीन खान, उम्र 29 वर्ष, निवासी चारामा को गिरफ्तार किया।

पत्नी को मनाने मायके पहुंचा पति, विवाद के बाद कुल्हाड़ी से किया जानलेवा हमला

जगदलपुर। जगदलपुर में मेडिकल कॉलेज डिमरापाल के सामने मंगलवार दोपहर उस समय सनसनी फैल गई, जब एक युवक ने अपनी पत्नी पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में महिला के गर्दन पर गंभीर चोट आई है। घटना के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया, जबकि घायल महिला को परिजनों और आसपास के लोगों की मदद से उपचार के लिए मेकाज में भर्ती कराया गया। फिलहाल महिला का इलाज जारी है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस घटना के पीछे की वजह और विवाद के पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटाने के लिए परिजनों से पूछताछ कर रही है। फिलहाल आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

बस्तर में शादी का झांसा देकर नाबालिग से रेप आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर में शादीशुदा युवक ने नाबालिग को शादी का झांसा देकर रेप किया। युवक की पत्नी राखी में मायके गई थी, इसी दिन वह अपनी नाबालिग गर्लफ्रेंड को घेर लेकर आया और रेप किया। नाबालिग की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी की पहचान बुधमन मौर्य (24), निवासी बागबहार डोंगरीपारा, नगर पंचायत बस्तर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 65(1) और पॉक्सो एक्ट की धारा 4, 6 के तहत मामला दर्ज किया है। मामला बस्तर थाना क्षेत्र का है।

शेयर ट्रेडिंग में मुनाफे का लालच देकर 2 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। शेयर ट्रेडिंग में अधिक मुनाफा दिलाने का झांसा देकर दो करोड़ से ज्यादा की ठगी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी द्वारा तीन करोड़ से ज्यादा की रकम ट्रेडिंग के नाम पर ट्रांसफर कराए और एक करोड़ वापस करने क बाद दो करोड़ से ज्यादा की रकम डकार गया। मामले में शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

इस मामले में थाना सिटी कोतवाली दुर्ग में रिपोर्ट दर्ज हुई। प्रार्थी कृष्ण कुमार चंद्राकर, उम्र 56 वर्ष, निवासी प्रेम सागर चौक, वार्ड क्रमांक 06, बैगापारा दुर्ग द्वारा थाना उपस्थित होकर लिखित शिकायत प्रस्तुत की गई। शिकायत के अनुसार आरोपी प्रकाश सिन्हा द्वारा स्वयं की शेयर ट्रेडिंग कंपनी संचालित करने तथा उसमें राशि निवेश करने पर अधिक मुनाफा प्राप्त होने का विश्वास दिलाकर प्रार्थी एवं उसके परिवार के कुल 10

सदस्यों को निवेश के लिए प्रेरित किया गया।

आरोपी द्वारा 24.11.2021 से 13.01.2022 के मध्य विभिन्न बैंक खातों से कुल 3,04,50,000 रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करवाए गए। इनमें से 1,03,60,000 रुपये परिवार के सदस्यों के खातों में वापस किए गए, जबकि शेष 2,00,90,000 रुपये वापस नहीं किए गए। शिकायत के आधार पर थाना सिटी कोतवाली दुर्ग में अपराध क्रमांक 467/2026, धारा 420 भादवि पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम द्वारा आरोपी की पतासाजी करते हुए उसे पुलिस अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी द्वारा घटना में संलिप्तता स्वीकार किए जाने पर उसे विधिवत गिरफ्तार किया गया। आरोपी को न्यायिक रिमाण्ड हेतु माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। प्रकरण में वित्तीय लेन-देन एवं अन्य साक्ष्यों का संकलन जारी है।

उक्त कार्यवाही में थाना सिटी कोतवाली दुर्ग पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस टीम द्वारा शिकायत प्राप्त होने के बाद आरोपी की त्वरित पतासाजी, गिरफ्तारी तथा प्रकरण से संबंधित साक्ष्यों के संकलन हेतु सतत कार्रवाई की जा रही है।

रायपुर में चोरी करने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

एकेडमी से 4.97 लाख कैश, शिक्षिका के क्वार्टर से 16.50 लाख के जेवर चुराए थे

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर में 31 अगस्त को हुई चोरी की दो अलग-अलग वारदातों का पुलिस ने कुछ ही घंटों में खुलासा कर दिया। उरला और खमतराई थाना क्षेत्र में ताला तोड़कर चोरी करने वाले 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने दोनों मामलों में सोने-चांदी समेत करीब 21.47 लाख रुपए का माल बरामद किया है। इस कार्रवाई में सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों की अहम भूमिका रही।

एकेडमी का ताला तोड़कर 4.97 लाख कैश उड़ाए

उरला थाना क्षेत्र के बीरगांव कैलाश नगर स्थित व्हीआर एजुकेशन एकेडमी में 31 अगस्त की रात 12.06 से 12.48 बजे के बीच चोरी हुई। संचालक प्रगति वर्मा की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की। आरोपी ताला तोड़कर अंदर घुसे और अलमारी के लॉकर में रखे 4 लाख 97 हजार 500 रुपए चोरी कर लिए।

ट्रेन से उज्जैन भाग रहे थे आरोपी

सीसीटीवी और तकनीकी जांच से पुलिस को आरोपियों की पहचान के बारे में जानकारी मिली। जांच में पता चला कि आरोपी ट्रेन से उज्जैन की ओर जा रहे हैं। पुलिस ने आरपीएफ भिलाई और बैतूल पुलिस से संपर्क किया, जिसके बाद दोनों को बैतूल में हिरासत में लिया गया।

इस मामले में चित्रांश सेन (18) और फिरोज साहू (19) को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, चित्रांश के खिलाफ खमतराई थाने में मारपीट और बाइक चोरी के मामले पहले से दर्ज हैं।

दूसरी चोरी खमतराई थाना क्षेत्र की डब्लूआरएस कॉलोनी स्थित केंद्रीय विद्यालय के कर्मचारी क्वार्टर में हुई। शिक्षिका यशवंती साहू सुबह करीब 11.40 बजे स्कूल चली गई थीं। उनकी बेटी भी दोपहर 12.05 बजे क्वार्टर में ताला लगाकर बाहर चली गई। इसी दौरान आरोपियों ने बाइक से रेकी की और दोपहर करीब 2 से 3 बजे के बीच ताला तोड़कर घर में घुस गए। अलमारी से सोने-चांदी के जेवर और नगदी चोरी करने के बाद आरोपी एक्टिवा से फरार हो गए। बेटी के करीब 3.25 बजे घर लौटने पर चोरी का पता चला।

109 ग्राम सोना, चांदी और कैश बरामद

पुलिस ने इस मामले में दुर्ग निवासी सारिक खान (32) और मो. तौसीफ (29) को गिरफ्तार किया। दोनों के खिलाफ पहले भी चोरी के मामले दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है। आरोपियों के कब्जे से करीब 109 ग्राम सोने के आभूषण, चांदी का हार और 10 हजार रुपए नगद बरामद किए गए। सोने की कीमत करीब 16.35 लाख रुपए बताई गई है। वारदात में इस्तेमाल बाइक और एक्टिवा भी पुलिस ने जब्त की है।

दोनों मामलों का खुलासा करने के बाद पुलिस ने राजधानीवासियों से घर और संस्थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की अपील की है। पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल 112 या नजदीकी थाने में देने और घर में काम करने वाले कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन कराने की सलाह दी है।

पुलिस ने चिल्फी बॉर्डर पर पकड़ा 2.23 करोड़ का गांजा

श्रीकंचनपथ समाचार

चिल्फी। छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश सीमा पर स्थित चिल्फी बॉर्डर में पुलिस ने गांजा तस्करी की एक बड़ी खेप पकड़कर अंतरराज्यीय तस्करी के नेटवर्क को बड़ा झटका दिया है। एनएच-30 पर चिल्फी थाना के सामने वाहनों की जांच के दौरान पुलिस ने एक कंटेनर ट्रक से 447 किलो 445 ग्राम गांजा बरामद किया। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत करीब 2 करोड़ 23 लाख 75 हजार रुपये बताई गई है। तस्करों ने पुलिस की नजर से बचने के लिए कंटेनर में ड्राइवर सीट के ठीक ऊपर एक विशेष गुप्त चेंबर बना रखा था। इसी चेंबर में गांजे के पैकेट खाकी रंग के टेप से लपेटकर छिपाए गए थे। पुलिस ने गांजे के साथ कंटेनर और मोबाइल फोन समेत कुल 2 करोड़ 50 लाख 80 हजार 250 रुपये का मशरूका जब्त किया है। मामले में पंजाब निवासी बलजीत सिंह को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपी से पूछताछ के साथ सप्लायर, खरीदार और तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है। कार्रवाई की सफलता पर आईजी राजनांदगांव रेंज अजय यादव ने पुलिस टीम की सराहना करते हुए 25 हजार रुपये नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पानी में डूबने से दो लोगों की मौत अलग-अलग थाना क्षेत्र में हुए हादसे

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। जिले के दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पानी में डूबने से दो लोगों की मौत हो गई। पहली घटना कटघोरा थाना क्षेत्र के नवागांव में हुई, जहां 88 वर्षीय बुजुर्ग महिला की तालाब में डूबने से मौत हो गई। वहीं दूसरी घटना उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम चितापाली में सामने आई, जहां बहते नाले में बहने से 21 वर्षीय युवक की जान चली गई। दोनों मामलों में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

कटघोरा थाना क्षेत्र के नवागांव में 88 वर्षीय बुजुर्ग महिला तालाब के गहरे पानी में चली गईं और डूब गईं। ग्रामीणों की सूचना पर राज और देव प्रसाद बेला ने मौके पर पहुंचकर महिला को पानी से बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटघोरा ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दूसरी घटना उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम चितापाली की है। यहां सोमवार को डोम नाला के पास 21 वर्षीय युवक का शव बरामद होने से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान संजय धनवार, पिता सुख सिंह धनवार, निवासी ग्राम चितापाली के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार संजय धनवार बीते दिन से घर नहीं लौटा था। इसके बाद परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। इसी दौरान डोम नाला के पास उसका शव मिलने की सूचना मिली। प्रारंभिक तौर पर युवक के बहते नाले में बहने से मौत की आशंका जताई जा रही है। दोनों घटनाओं में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और मौत के कारणों की जांच की जा रही है।

साइबर ठगी का मास्टरमाइंड गिरफ्तार, फर्जी सिम से करता था ठगी

श्रीकंचनपथ समाचार

राजनांदगांव। राजनांदगांव के गैंदाटोला थाना पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी के मामले में लंबे समय से फरार मास्टरमाइंड गुलशन कुमार खोबरागढ़े उर्फ राजा को गिरफ्तार किया है। आरोपी 29 साल का है और अंबागढ़ चौकी के होड़ीटोला गांव का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी के पास से 2 मोबाइल, 18 फर्जी एक्टिवेटेड सिम कार्ड, 4 एटीएम/डेबिट कार्ड और बैंक पासबुक/चेकबुक जब्त की हैं। यह कार्रवाई अपराध क्रमांक 14/2025 के तहत धारा 318(4), 61(2) बीएनएस और 66(सी) आईटी एक्ट में की गई है।

गुलशन ग्रामीणों को झांसे में लेता था। वह उनके दस्तावेजों से फर्जी सिम एक्टिवेट करवाता था और पैसों का लालच देकर उनके नाम पर बैंक खाते खुलवाता था। बाद में इन सिम और खातों को महंगे दामों पर बेचकर अवैध फायदा कमाता था।

6 आरोपी पहले ही भेजे जा चुके हैं जेल इस मामले में पहले ही 6 आरोपी हेमंत डोंगरे, प्रखर सिंह चौहान, शेख सरफराज, कैलाश नाथ पड़ोती, तरण कुमार साहू और मनीष कुमार सांडिल को जेल भेजा जा चुका है।

फरार चल रहे गुलशन को मुखबिर की सूचना और तकनीकी सबूतों के आधार पर गिरफ्तार किया गया। उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार साहू, एएसआई मेघनाथ सिन्हा, आरक्षक मोहित साहू और राकेश साहू की अहम भूमिका रही।

एक अन्य कार्रवाई में पुलिस ने छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर एक उपद्रवी को पकड़ा है। यह कार्रवाई आगामी गणेशोत्सव और जन्माष्टमी पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए चलाए जा रहे चेकिंग अभियान के तहत की गई।

युवाओं को नशे की लत लगाने का आरोप

पकड़ा गया आरोपी बंशी मंडावी (52 वर्ष) महाराष्ट्र के तोयागोंदी गांव का रहने वाला है। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया था कि बंशी महाराष्ट्र से आकर गांव के किशोरों और युवाओं को नशे की लत लगा रहा था।

पुलिस ने बॉर्डर पर नाकेबंदी कर स्कूटी सवार बंशी को पकड़ा। उसके पास से चिलम और बीड़ी बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ धारा 170, 126, 135(3) बीएनएस के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है।

पूछताछ के दौरान हंगामा करने लगा

पूछताछ के दौरान आरोपी आक्रोशित होकर हंगामा करने लगा और भीड़ जुटाकर अप्रिय घटना अंजाम देने की कोशिश करने लगा। संज्ञेय अपराध की आशंका को देखते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक हरिनाथ रावत, सउनि गोकूल सोनकर, आरक्षक मणीशंकर कौशिक व गोवर्धन कंवर की टीम ने तत्काल कार्रवाई कर आरोपी को एसडीएम न्यायालय में पेश किया।

पुलिस ने लोगों से की अपील

पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे अपने नाम पर जारी मोबाइल सिम, बैंक खाते या उनसे जुड़ी कोई भी गोपनीय जानकारी किसी अज्ञात व्यक्ति से साझा न करें। पैसों के लालच में आकर अपने दस्तावेज किसी को न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत नजदीकी थाना पुलिस को दें।

थाने के पास एसबीआई में सेंधमारी की कोशिश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर में पुलिस थाने से करीब 200 मीटर दूर भारतीय स्टेट बैंक की एनआईटी शाखा में चोरों ने सेंधमारी की कोशिश की है। अज्ञात आरोपी खिड़की की ग्रिल काटकर बैंक के अंदर दाखिल हुए। उन्होंने बैंक के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों को नुकसान पहुंचाया और मैनेजर के केबिन से सीपीयू की हार्ड डिस्क, रैम और एसएसडी चोरी कर लिए। चोर इसके बाद स्ट्रांग रूम तक पहुंचे। उन्होंने वहां लगे ग्रिल गेट और दरवाजे के चार ताले तोड़ दिए। लॉकर रूम के चार तालों में से एक ताला भी टूटा मिला। हालांकि, आरोपी लॉकर तक पहुंचकर उसमें रखी रकम चोरी करने में सफल नहीं हो सके। इससे बैंक में रखा कैश और लॉकर में मौजूद रकम सुरक्षित बच गई।

सीसीटीवी कैमरों के तार काटे

वारदात के दौरान आरोपियों ने बैंक की निगरानी व्यवस्था को भी निशाना बनाया। सीसीटीवी कैमरों को तोड़ने के साथ उनके तार काट दिए

गए। आशंका है कि आरोपियों ने पहचान छिपाने और घटना से जुड़े सबूत मिटाने के लिए ऐसा किया। पुलिस अब बैंक के बाहर और आसपास लगे अन्य कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी खिड़की की ग्रिल काटकर बैंक में दाखिल हुए। अंदर पहुंचने के बाद उन्होंने पहले कंप्यूटर से जुड़े उपकरण चोरी किए और फिर स्ट्रांग रूम की ओर बढ़े। चार ताले तोड़ने के बावजूद वे लॉकर में रखी रकम तक नहीं पहुंच पाए।

आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

घटना की सूचना मिलने पर सरस्वती नगर पुलिस मौके पर पहुंची और बैंक का निरीक्षण किया। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि वारदात में कितने लोग शामिल थे और उन्होंने बैंक की रेकी कब से शुरू की थी।

शादी का झांसा देकर नाबालिग से रेप, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। रायगढ़ में एक युवक पर 17 साल की नाबालिग को शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर घर से भगाने और उसके साथ दुष्कर्म करने का आरोप है। आरोपी की नाबालिग से इंस्टाग्राम के जरिए दोस्ती हुई थी।

इसके बाद वह उसे रायगढ़ से बिहार ले गया, जहां करीब 6-7 महीने तक साथ रखा। बाद में दोनों ओडिशा और फिर सारंगढ़ आकर रहने लगे। इस दौरान आरोपी ने शादी का झांसा देकर नाबालिग के साथ रेप किया। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

दरअसल, 17 मार्च 2025 को नाबालिग के पिता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि बेटी 25 जनवरी 2025 को दोपहर में घर से बिना बताए कहीं चली गई थी। परिजनों और रिश्तेदारों के यहां तलाश करने के बाद भी उसका पता नहीं चला। जिस पर पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि नाबालिग की पहचान इंस्टाग्राम के माध्यम से दिलेश्वर चौहान नामक युवक से हुई थी। दोनों के बीच कई महीनों तक इंस्टाग्राम पर मैसेज के जरिए बातचीत होती रही थी।

पुलिस ने तलाश करते हुए नाबालिग को सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में आरोपी दिलेश्वर चौहान के पास से बरामद किया। पूछताछ में नाबालिग ने बताया कि 25 जनवरी को युवक ने उसे मिलने के लिए बुलाया था।

इसके बाद वह केवड़ाबाड़ी बस स्टैंड पहुंची, जहां दिलेश्वर मिला। युवक ने शादी करने की बात कहकर उसे अपने साथ ले लिया।

बिहार ले जाकर साथ रखा

आरोपी नाबालिग को बस से बिहार के गया ले गया, जहां उसके माता-पिता ईंट भट्ठे में काम करते थे। इसके बाद करीब 6-7 महीने तक दोनों बिहार में रहे। बाद में दोनों सारंगढ़ क्षेत्र में लौट आए और साथ रहने लगे।

इसके बाद आरोपी मजदूरी के लिए ओडिशा चला गया, जहां नाबालिग भी उसके साथ रहने लगी। बाद में दोनों आरोपी के सारंगढ़ स्थित गांव में आकर रहने लगे। नाबालिग ने पुलिस को बताया कि इस दौरान आरोपी ने शादी का प्रलोभन देकर उसके साथ रेप किया।

आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा

मामले में पुलिस ने आरोपी दिलेश्वर चौहान के खिलाफ धारा 87, 65(1) बीएनएस और पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत कार्रवाई की। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

जुआ-सट्टा के विरुद्ध कार्रवाई, 5 आरोपी गिरफ्तार

कवर्धा। पुलिस अधीक्षक कबीरधाम जितेंद्र कुमार यादव के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित पटेल के मार्गदर्शन में जिले में जुआ-सट्टा जैसी अवैध गतिविधियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। थाना पांडातराई एवं कुण्डा पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए कुल 05 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। थाना पांडातराई, ब्राम्हण बगीचा में 52 पत्ती ताश से रुपये-पैसों पर दांव लगाकर जुआ खेलते पाए जाने पर नरेश नेताम, पंचू निषाद, उमाशंकर जायसवाल एवं अमित चंद्रवंशी को जुआ खेलते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। थाना कुण्डा ग्राम माकरी में अंकों पर रुपये-पैसों का दांव लगाकर सट्टा-पट्टी लिखते पाए जाने पर अनंत मनहर, उम्र 44 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। आरोपी से 1,050/- नगद एवं सट्टा-पट्टी जब्त की गई।

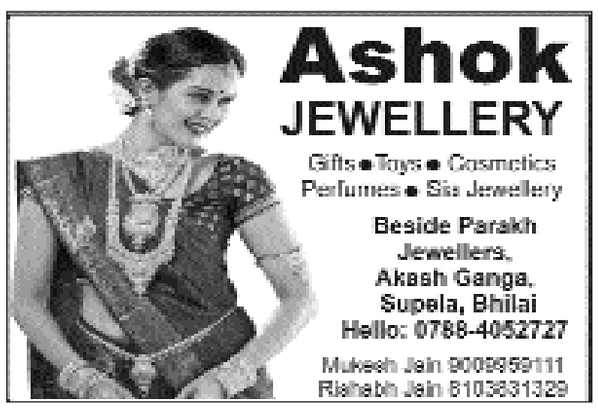

खास खबर

नेटवर्क से जुड़ा दूरस्थ मेडपाल कनेक्टिविटी की नई राह खुली

बीजापुर। बीजापुर जिले के भैरमगढ़ विकासखंड अंतर्गत दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्र के ग्राम मेडपाल में नए मोबाइल टॉवर के शुरू होने से ग्रामीणों को लंबे इंतजार के बाद मोबाइल नेटवर्क की सुविधा मिलने लगी है। संचार सुविधा से वंचित रहे इस क्षेत्र के लिए मोबाइल कनेक्टिविटी की शुरुआत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मोबाइल टॉवर के शुरू होने से अब ग्रामीणों को मोबाइल कॉल के साथ-साथ इंटरनेट आधारित सेवाओं का भी बेहतर लाभ मिलने की उम्मीद है। विद्यार्थी ऑनलाइन पढ़ाई एवं शैक्षणिक सामग्री का उपयोग कर सकेंगे, वहीं युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए ऑनलाइन संसाधनों तक आसानी से पहुंच बना सकेंगे। ग्रामीणों के लिए डिजिटल बैंकिंग, ऑनलाइन भुगतान, शासकीय योजनाओं से जुड़ी सेवाओं, आवश्यक दस्तावेजों एवं अन्य ऑनलाइन सुविधाओं का उपयोग भी पहले की अपेक्षा सुगम होगा।

चार प्रमुख कोयला एवं विद्युत परियोजनाएं संरक्षित क्षेत्र घोषित

रायगढ़। जिले में कोयला उत्पादन, संप्रेषण एवं विद्युत उत्पादन से जुड़ी महत्वपूर्ण परियोजनाओं की सुरक्षा और निर्बाध संचालन सुनिश्चित करने की दिशा में जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी मयंक चतुर्वेदी ने छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 की धारा 25, 26 एवं 28 के तहत अडानी पावर लिमिटेड, एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड की तलाईपल्ली परियोजना, एसईसीएल छाल ओपनकास्ट माइंस तथा जिंदल पावर लिमिटेड की प्रमुख परियोजनाओं एवं संबंधित परिसंपत्तियों को संरक्षित-प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित करने के आदेश जारी किए हैं। यह निर्णय संबंधित परियोजनाओं के महत्व, ऊर्जा सुरक्षा, निर्बाध कोयला एवं विद्युत उत्पादन तथा महत्वपूर्ण औद्योगिक अधोसंरचनाओं के सुरक्षित संचालन को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

फुलझर मध्यम जलाशय योजना का सर्वेक्षण स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा जशपुर जिले के विकासखण्ड-बगीचा की गुरगुरी-फुलझर मध्यम जलाशय योजना के सर्वेक्षण कार्य के लिए दो करोड़ 42 लाख 53 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। जल संसाधन विभाग द्वारा इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। इस योजना के सर्वेक्षण कार्य पूर्ण होने के बाद सिंचाई सुविधा के विस्तार को लेकर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

डीके कॉलेज में रोजगार मेला का आयोजन 9 सितम्बर को

बलौदाबाजार। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर जिले के शिक्षित युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से जिला रोजगार कार्यालय बलौदाबाजार द्वारा शासकीय डीके कॉलेज बलौदाबाजार में 9 सितम्बर 2026 को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक किया जायेगा। इस रोजगार मेले मे लगभग 557 पदों पर विभिन्न निजी नियोजकों द्वारा नियुक्ति दी जाएगी। इसमें कम्प्यूटर ऑपरेटर के 3 पद, सेल्स एग्जीक्यूटिव के 4 पद, शैक्षणिक योग्यता बारहवीं, डीसीए एवं उच्च, उम्र 18 से 30 वर्ष, अनुभव 0 से 1 वर्ष, वेतन पदानुसार 8 हजार से 15 हजार रूपये देय एवं कार्यक्षेत्र बलौदाबाजार होगा। भारतीय जीवन बीमा बलौदाबाजार द्वारा बीमा राखी के 40 पद, उम्र 23 से 50 वर्ष, शैक्षणिक योग्यता 10वीं से उच्च, वेतन 7 हजार से 12 हजार रूपए, इन्सेटिव एवं कमिशन कार्यक्षेत्र भाटापारा, बलौदाबाजार, सिमगा होगा।

गणेश चतुर्थी के बजाय अब नवाखाई पर स्थानीय अवकाश

एमसीबी। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी संतन देवी जांगड़े ने स्थानीय अवकाश संशोधन आदेश जारी करते हुए 14 सितंबर 2026 को गणेश चतुर्थी के लिए घोषित स्थानीय अवकाश निरस्त कर दिया है। इसके स्थान पर अब 18 सितंबर 2026 को नवाखाई पर्व के अवसर पर जिले में स्थानीय अवकाश रहेगा। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 14 सितंबर को हरितालिका के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जा चुका है। इसे संशोधित करते हुए 18 सितंबर को नवाखाई पर्व पर स्थानीय अवकाश निर्धारित किया गया है।

हरित छत्तीसगढ़ - समृद्ध छत्तीसगढ़

62 हजार एकड़ खेत में लगाए 3.675 करोड़ पेड़

श्रीकंचनपथ समाचार

नवा रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता, संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार हरित छत्तीसगढ़, समृद्ध छत्तीसगढ़ के संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए वन संरक्षण का अर्थ केवल वनों की सुरक्षा नहीं है। वनों के संरक्षण के साथ वनवासियों की समृद्धि, जनजातीय संस्कृति का संरक्षण, किसानों की आय में वृद्धि, महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार, वन्यजीव संरक्षण तथा आधुनिक तकनीक के माध्यम से बेहतर वन प्रबंधन हमारी प्राथमिकताओं का हिस्सा हैं।

श्री कश्यप विभागीय गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर छत्तीसगढ संवाद के आडिटोरियम में प्रेस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने वृक्षारोपण को किसानों की आय से भी जोड़ा है। किसान वृक्ष मित्र योजना में पात्र नागरिकों को 5 एकड़ तक 100 प्रतिशत वित्तीय अनुदान तथा 5 एकड़ से अधिक क्षेत्र में 50 प्रतिशत वित्तीय अनुदान दिया जाता है। पिछले दो वर्षों में 36 हजार 896 हितग्राहियों की 62 हजार 441 एकड़ कृषि भूमि में 3.675 करोड़ से अधिक पौधों का रोपण किया गया है।

छत्तीसगढ़ में जंगल और जंगल पर निर्भर समुदाय एक-दूसरे से अलग नहीं है, इसलिए हमारी सरकार ने वन संरक्षण के साथ-साथ वनोपज संग्राहकों की आय और उनकेपरिवारों के कल्याण को प्राथमिकता दी है। छत्तीसगढ़ में तेंपदूत्ता संग्रहण दर 5,500 प्रति मानक बोरा है, जो देश में सर्वाधिक है। वर्ष 2025 में 11.44 लाख परिवारों द्वारा 13.85 लाख मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहण किया गया और 757 करोड़ का ऑनलाइन भुगतान किया गया। 7.14 लाख संग्राहकों को 153 करोड़ प्रोत्साहन पारिश्रमिक का भुगतान किया गया। 12.40 लाख महिला संग्राहकों को चरण पादुका वितरित की गई तथा वर्ष 2026 में 12.38 लाख पुरुष संग्राहकों को चरण पादुका का वितरण प्रस्तावित है।

श्री कश्यप ने बताया कि समर्थन मूल्य पर 36 हजार 580 क्विंटल वनोपज की खरीदी की गई, जिसमें संग्राहकों को 16.66 करोड़ रूपए का आनलाईन भुगतान तथा 13 हजार से अधिक संग्राहक परिवारों को लाभ पहुंचा गया है। राजमोहिनी देवी सुरक्षा योजना में 1862 प्रकरणों में 26.08 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया। तेन्दूपदूत्ता संग्राहक परिवार के 8 हजार 533 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति योजनाओं के अन्तर्गत 12.07 करोड़ रूपए की छात्रवृत्ति दी गई। वर्ष 2026 में अबूझमाड़ में 13 नए तेंदूपत्ता फड़ प्रारंभ किए गए हैं।

महिला सशक्तिकरण वनोपज को आजीविका से जोड़ा

मंत्री श्री कश्यप ने बताया कि प्रधानमंत्री जनजाति विकास मिशन एवं पीएम जनमन योजना के अंतर्गत लघु वघुवनोपज के संग्रहण और प्रसंस्करण से 6 हजार से अधिक महिला स्व-सहायता समूहों के 70 हजार से अधिक सदस्य लाभान्वित हुए हैं। वन धन केन्द्रों से जुड़ी महिला समूहों को 5 करोड़ से अधिक कमीशन दिया गया है। उन्होंने बताया कि वन धन केन्द्रों में 181 प्रकार के हर्बल उत्पादों का निर्माण किया गया है ,जिसका मूल्य राशि 4.42 करोड़ रूपए रहा। धमतरी जिले में महानदी तट एवं अनुपनुयोगी पंचायत भूमि की 120 एकड़ भूमि पर महिला समूहों द्वारा खस का रोपण किया गया है। गौरेला-पेन्ड्रा -मरवाही, बिलासपुरु, कांकेर, धमतरी और कोरबा के 65 ग्रामों की 1,854 महिलाओं द्वारा अपनी बाड़ियों में 64 हजार 798 सिंदूरी तथा 7 लाख 48 हजार 092 सतावर पौधे लगाए गए हैं।

संयुक्त वन प्रबंधन समितियां

मंत्री श्री कश्यप ने बताया कि वन प्रबंधन समितियों की लाभांश राशि से मधुमक्खी पालन, मुर्गी पालन, मत्स्य पालन, बकरी पालन, अदरक खेती, नीलगिरी रोपण और अगरबत्ती निर्माण जैसी आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। 78 तालाबों मेंसघन मत्स्य पालन किया गया और 30 जून 2026 तक लगभग 3,200 क्विंटल मछली उत्पादन हुआ है। पिछले ढाई वर्षों में चक्रीय निधि से 2,170.15 लाख ऋण प्रदान किया गया है, जिससे 700 परिवार लाभान्वित हुए हैं।

वैज्ञानिक वन प्रबंधन और अनुसंधान

मंत्री श्री कश्यप ने बताया कि 17 वनमंडलों में 911 सरना का चिन्हांकन एवं प्रलेखन किया गया है, जिनका कुल क्षेत्रफ्ल 2,928.16 हेक्टेयर है। राज्य भर में 240 प्रवासी पक्षी प्रजातियों का डेटाबेस तैयार किया गया है। 7 जिलों में 5 हेक्टेयर सेअधिक वाली 283 आर्द्रभूमियों का सर्वेक्षण किया गया है। 1 हेक्टेयर में 13 विभिन्न बांस प्रजातियों के 120 पौधों का बैम्बू सेटम स्थापित किया गया है। चंदन के 14 वर्ष पुराने प्रायोगिक रोपण के अध्ययन में 33 प्रतिशत हार्डवुड कंटेंट पाया गया है तथा वृक्षारोपण सफ्ल पाया गया है। पिछले दो वर्षों में 72 जैविक प्रमाण-पत्र जारी किए गए हैं,जिससे 4,057 संग्राहक एवं 21,471 किसान लाभान्वित हुए हैं। 24 जिलों के 6,140 पारंपरिक वैद्यों को 10 सम्मेलनों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है तथा हर्बल प्रसंस्करण के लिए 45 ग्राइंडिंग मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं। जामगांव, जिला दुर्ग में राशि 94.75 करोड़ रूपए की लागत से राष्ट्रीय स्तर के आयुर्वेदिक औषधि निर्माण केन्द्र की स्थापना की गई है।

आधुनिक, पारदर्शी और तकनीक आधारित वन प्रशासन

मंत्री श्री कश्यप ने बताया कि छ.ग शासन के निर्देशानुसार वन विभाग के अन्तर्गत होने वाली भुगतान प्रक्रिया का पूरी तरह से एंड-टू-एंड डिजिटाईजेशन कर दिया गया है, जिसे भारतीय रिजर्व बैंक के ई-कुबेर और ई-कोष प्लेटफार्म के साथ सफ्लता पूर्वक एकीकृत किया जा चुका है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1,520 करोड़ से अधिक का ऑनलाइन भुगतान किया गया। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अगस्त 2026 तक 209 करोड़ का ऑनलाइन भुगतान किया गया है। स्क्र्क्र्ह्ह्ठ में 8,975 अधिकारी-कर्मचारी आनबोर्ड किए गए तथा 9,464 क्क्र जनरेट किए गए हैं। द्र।क्र्रस्र में 32,869 अधिकारी एवं कर्मचारी आनबोर्ड हैं। मुख्यालय से लेकर समस्त वनमंडल स्तर तक ई आफ्सि शत-प्रतिशत लागू किया गया है। द्बठ्ठह्ल कर्मयोगी में 9,230 अधिकारी एवं कर्मचारी आनबोर्ड हैं। वनों की अग्नि दुर्घटना से सुरक्षित रखने हेतु अत्याधुनिक फरेस्ट फयर अलर्ट एवं मानिटरिंग सिस्टम संचालित है, जिससे नियर रियल टाइम अलर्ट जारी होते हैं, रिस्पॉन्स टाइम 1-2 घंटे से घटकर 5-10 मिनट हो गया है तथा इसे बीट स्तर तक विस्तारित किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ का पहला रामसर साइट

मंत्री श्री कश्यप ने बताया कि कोपरा जलाशय, बिलासपुर को राज्य का पहला रामसर साइट घोषित किया गया है।

Vision@2047 के तहत वर्ष 2030 तक 20 रामसर साइट बनाने का लक्ष्य है। 2.25 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल वाली 11,096 आर्द्रभूमियों की ग्राउंड ट्रूथिंग एवं बाउंड्री डिमार्केशन पूर्ण की गई है। प्रदेश में 500 से अधिक वेटलेंडमित्र कार्यरत हैं। BMC के 105 युवाओं को पैराटेक्सोनामी प्रशिक्षण दी गई है।

बाघों और कृष्णमृगों की संख्या बढ़ी

वनमंत्री श्री कश्यप ने बताया कि वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। वर्ष 2022 में प्रदेश में 18 बाघ थे, जो वर्ष 2026 में बढ़कर 35 हो गए हैं। यह 94 प्रतिशत की ऐतिहासिक वृद्धि है।2,829.387 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफ्ल वाला गुरुघासीदास-तमोर पिंगला देश का तीसरा सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है, जिसकी अधिसूचना वर्ष 2024 में हुई। एनटीसीए द्वारा बांधवगढ़ से 3 बाघिनों के ट्रांसलोकेशन की अनुमनुति दी गई है। एनक्लोजर और पेट्रोलिंग कैंप तैयार हैं तथा बरसात के बाद स्थातनांरण किया जाना है।

मंत्री श्री कश्यप ने बताया कि बारनवापारा अभयारण्य में कृष्ण मृगों की संख्या 77 से बढ़कर 200 के पार पहुंच गई है। इस उपलब्धि की सराहना स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 26 अप्रैल 2026 के 'मन की बात' कार्यक्रम में की। वर्तमान में इन्द्रावती में हमारे राजकीय पशु वन भैंसे 14-17 प्राकृतिक रूप से मौजूद हैं तथा असम से लाए गए वन भैंसे की संख्या 6 से बढ़कर 11 हुई है। राजकीय पक्षी पहाड़ी मैना की संख्या 800 से 900 दर्ज की गई है और 'मैना मित्र'योजना के तहत 250 घोंसलों की पहचान की गई है। अचानकमार के औरापानी में वल्चर सेफ जोन विकसित किया गया है तथा इन्द्रावती टाइगर रिजर्व में तीन प्रजातियों के 150 गिद्ध संरक्षित हैं।

प्रदेश में स्थापित किये गये 240 पर्यटन केन्द्र, 50 से अधिक हो चुके स्वावलंबी

वन एवं जनलवायु परिवर्तन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि प्रदेश में 240 प्राकृतिक पर्यटन केन्द्र स्थापित किए गए हैं, जिनमें 50 से अधिक पर्यटन केन्द्र पूर्णत: स्वावलंबी हो चुके हैं। प्रमुख प्राकृतिक पर्यटन केन्द्रों के लिए 2 करोड़ 60 लाख के प्रस्तावित लक्ष्य के विरुद्ध 2 करोड़ 21 लाख सकल आय दर्ज की गई है।

बस्तर का धुड़मारास सामुदायिक पर्यटन का महत्वपूर्ण उदाहरण है, इससे 40 प्रत्यक्ष रोजगार और 20 अप्रत्यक्ष रोजगार एवं 5 कमरे का 'धुर्वाडेरा' होमस्टे बनाया गया है। महासमुंद के शिशुपाल इको ट्रेल को 45 लाख की लागत से विकसित किया गया है। यहां अब तक 832 मानव-दिवस 15 नियमित आजीविका सृजित हुई है। कवर्धा सफारी माडल में 35 कि.मी. लंबा नया सफारी मार्ग विकसित किया गया है। चक्रीय निधि से खरीदे गये 4 गुणा 4 सफारी वाहनों का संचालन सीधे स्थानीय ईडीसी (थावरझोल) द्वारा किया जा रहा है।

मंत्री श्री कश्यप ने बताया कि बस्तर की संस्कृति जंगलों और प्रकृति से गहराई से जुड़ी हुई है। इसलिए वन संरक्षण के साथ जनजातीय सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण भी हमारी जिम्मेदारी है। पिछले 2.5 वर्षों में 19.05 करोड़ व्यय कर वन क्षेत्रों में 572 देव गुड़ियों का निर्माण और जीर्णोद्धार किया गया है। ग्राम गढ़बेंगाल, नारायणपुर में बस्तर की विशिष्ट सांस्कृतिक संस्था 'घोटुल' के संरक्षण की दिशा में कार्य किया गया है।

कांगेर घाटी को विश्व स्तर पर पहचान

श्री कश्यप ने बताया कि वर्ष 2025 में 200 वर्ग किलोमीटर में फैले कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान को यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल किया गया। यह गुफा, तीरथगढ़ जैसे जलप्रपातों और समृद्ध जैव-विविधता का अद्वितीय केन्द्र है। कांगेर घाटी में चक्रीय निधि से 35 जिप्सी वाहन उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे 200 स्थानीय युवाओं को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार मिला है। 18 हितग्राही ऋण पूर्णत: चुका चुके हैं।

बस्तर में शांति के साथ विकास और रोजगार की नई शुरुआत

श्री कश्यप ने बताया कि पिछले दो वर्षों में बस्तर अंचल के माओवादी प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, इसका परिणाम यह है कि वन विभाग अब अति-संवेदनशील क्षेत्रों में भी वानिकी एवं विदोहन कार्य पुन: प्रारंभ कर रहा है। दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर, बस्तर, नारायणपुर, कोण्डागांव एवं कांकेर के दूरस्थ वनक्षेत्रों में इमारती लकड़ी एवं बांस विदोहन के कार्य किये जायेंगे। इमारती लकड़ी विदोहन, बांस विदोहन और अन्य कार्यो से कुल 21.67 लाख मानव-दिवस रोजगार सृजन का अनुमान है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध होने के साथ पलायन कम करने तथा लोगों का जल, जंगल-जमीन और बस्तर की संस्कृति से जुड़ाव मजबूत करने का प्रयास है।

मंत्री श्री कश्यप ने बताया कि वन संरक्षण के साथ हमारी सरकार यह भी सुनिश्चित कर रही है कि वन क्षेत्रों में रहने वाले नागरिक सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पेयजल और दूरसंचार जैसी मूलमूत सुविधाओं से वंचित न रहें। पीएम जनमन योजना के तहत 20 प्रकरणों में 58.002 हेक्टेयर एवं 99.995 किलोमीटर मार्ग के लिए अनुमनुति दी गई।

वन अधिकार अधिनियम, 2006 की धारा 3(2) के तहत 417 प्रकरणों में 1,300- 1,400 किलोमीटर मार्ग के लिए ग्रामसभा की अनुशंसा के बाद अनुमति जारी की गई। वन संरक्षण एवं संवर्धन अधिनियम के तहत जिलों में बीएसएनएल के 62 में से 59 टावरों को रिकॉर्ड 70 दिनों में अनुमति प्रदान की गई है। विगत 2.5 वर्षों में विद्यालय, अस्पताल, आंगनबाड़ी , सड़क, विद्युत एवं दूरदूसंचार लाईन, पेयजल, सिंचाई, कौशल विकास एवं सामुदायिक केन्द्र सहित 13 प्रकार के विकास कार्यों के लिए वन अधिकार अधिनियम की धारा 3 (2) के तहत कुल 1168 प्रकरणों में वनभूमि के विपथन की कार्यवाही की गई।

मानव-हाथी द्वंद तकनीक और जनभागीदारी से समाधान

श्री कश्यप ने बताया कि मानव-हाथी द्वंद को कम करने के लिए 'गज संकेत' ऐप तथा 'गजरथ यात्रा' के माध्यम से तकनीक और सामुदायिक सहभागिता को जोड़ा गया है। हाथियों से जनहानि वर्षवार कम होते जा रहे हैं। 90 हाथी मित्र दलों के 545 प्रशिक्षित सदस्य गांव-गांव जाकर जागरूकता का कार्य कर रहे हैं। 12 अगस्त 2026, विश्व हाथी दिवस पर दरभा में गज संकेत' ऐप का विमोचन किया गया। इस पहल को माननीय मुख्यमंत्री द्वारा राज्य स्तरीय सुशासन पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950